दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-10 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 13 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

भारत बंदः कहीं बाजार बंद रहे तो कहीं ट्रांसपोर्ट व्यवस्था लड़खड़ाई, कहीं-कहीं मामूली झड़प हुई

नई दिल्ली(ए.)। केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान करते हुए भारत बंद का ऐलान किया । इसका असर आज देश के कई राज्यों में दिखाई दिया है। जरुरी सेवाओं को छोड़कर, राज्यों में दुकानें, बाजार और ट्रांसपोर्टेशन की सुविधाएं बाधित हुई हैं। कहीं कहीं मामूली झड़पें होने की भी खबरें हैं। सरकारी और निजी बैंक, बीएसएनएल, बीमा तथा डाक विभाग सहित कई केंद्रीय कार्यालयों की सेवाओं पर भी असर हुआ हैं। हालांकि रेलवे सेवाएं सामान्य है। आईएनटीयूसी, एआईटीयूसी, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, सेवा सहित बैंक, बीमा, केंद्रीय कर्मचारी और बीएसएनएल से जुड़े संगठनों ने हड़ताल को समर्थन दिया। इस भारत बंद का असर सर्वाधिक गैर भाजपा शासित राज्यों में देखा गया है जबकि भाजपा शासित राज्यों में मिलाजुला असर रहा है।

हड़ताल का केंद्र होने के कारण पंजाब में सरकारी परिवहन सेवा पूरी तरह ठप है। फरीदकोट, लुधियाना, पटियाला और अमृतसर जैसे प्रमुख शहरों में बस अड्डों पर सन्नाटा पसरा। निजीकरण के विरोध में और मुख्यमंत्री आवास के घेराव की चेतावनी के बीच पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों को निजी वाहनों और टैक्सियों का सहारा लेना पड़ रहा है, जो मनमाना किराया वसूल रहे हैं।पंजाब से सटे हरियाणा और राजस्थान के इलाकों में भी इसका असर दिखाई दे रहा है। पंजाब रोडवेज की बसें सीमा पार नहीं कर रही हैं, जिससे दिल्ली-अमृतसर और दिल्ली-बठिंडा रूट प्रभावित हुए हैं। हरियाणा रोडवेज ने सावधानी बरतते हुए कुछ संवेदनशील रूटों पर अपनी सेवाओं को सीमित कर दिया है। दिल्ली आने-जाने वाली सरकारी अंतरराज्यीय बसों की संख्या में भारी कमी दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी जिलों में हड़ताल का आंशिक असर है। हालांकि यहाँ स्थानीय परिवहन चालू है। सरकारी बसों के न चलने से सबसे ज्यादा परेशानी छात्रों, दैनिक यात्रियों और उन लोगों को हो रही है जो इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर जा रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर भीड़ अचानक बढ़ गई है क्योंकि बस सेवा का विकल्प न मिलने पर लोग ट्रेनों की ओर रुख कर रहे हैं। वहीं पटना में भी लेफ्ट संगठन और मजदूर संगठनों के द्वारा हड़ताल को प्रभावी बनाने के लिए जुलूस और प्रदर्शन किया गया। बंगला चौराहे पर सैकड़ो की संख्या में पहुंचे लेफ्ट नेताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सरकार के द्वारा जो मजदूर विरोधी कानून लाया गया है इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भी हड़ताल का असर दिखा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में रवींद्र भवन में म.प्र. सड़क विकास निगम और म.प्र. भवन विकास निगम द्वारा अन्य संस्थाओं के साथ किए गए एमओयू का आदान-प्रदान किया गया।

भारत खरीदेगा 114 राफेल और 6 P-8I विमान, रक्षा परिषद ने दी अब तक की सबसे बड़ी मंजूरी

नई दिल्ली (ए.) । भारतीय वायुसेना और नौसेना की ताकत में ऐतिहासिक इजाफा होने जा रहा है। रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने अपनी अहम बैठक में 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 6 पी-8आई पोसीडॉन समुद्री निगरानी विमानों की खरीद को हरी झंडी दे दी है। इसे भारत की अब तक की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण रक्षा खरीद योजनाओं में से एक माना जा रहा है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब सीमा पर चीन और पाकिस्तान की ओर से चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। चीन और पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य चुनौतियों को देखते हुए भारतीय वायुसेना को आधुनिक, भरोसेमंद और तुरंत प्रतिक्रिया देने वाले लड़ाकू विमानों की सख्त जरूरत थी। राफेल 4.5 जनरेशन का अत्याधुनिक लड़ाकू विमान है। वायुसेना के लिए यह विमान नया नहीं है, बल्कि पहले ही 'ट्रायल-एंड-टेस्टेड' साबित हो चुका है।'ऑपरेशन सिंदूर' में राफेल ने अपनी जबरदस्त मारक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया था।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत का सरकार पर हमला : बोले- राइट टू हेल्थ पर चिकित्सा मंत्री का बयान गरीब के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर द्वारा राइट टू हेल्थ (RTH) को लेकर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर सरकार को घेरते हुए कहा कि चिकित्सा मंत्री का यह कहना कि राइट टू हेल्थ की जरूरत ही नहीं है, न केवल निंदनीय है बल्कि प्रदेश के उस गरीब और मध्यम वर्ग के साथ भद्दा मजाक है जो इलाज के भारी-भरकम खर्च से जूझ रहा है। भाजपा ने मेडिकल लॉबी के सामने किया सरेंडर अशोक गहलोत ने वर्तमान भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेशवासी स्पष्ट देख रहे हैं कि जहां कांग्रेस सरकार का इरादा जनता को महंगे इलाज से बचाने का था, वहीं भाजपा सरकार ने मेडिकल लॉबी के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया है।

निपाह वायरस से देश में पहली मौत, पश्चिम बंगाल में 25 साल की नर्स ने तोड़ा दम

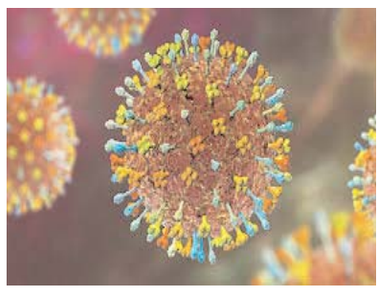

नई दिल्ली, (ए.)। पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस से संक्रमित दो मरीजों में से एक मरीज की मौत हो गई है। देश में इस साल निपाह वायरस से यह पहली मौत है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि 11 जनवरी 2026 को पश्चिम बंगाल से रिपोर्ट किए गए निपाह संक्रमण के दो पॉजिटिव मामलों में से एक नर्स, जो गंभीर रूप से बीमार थीं और अस्पताल में गहन चिकित्सा देखभाल के तहत भर्ती थीं। 25 साल की महिला नर्स का बुधवार को उपचार के दौरान हृदयगति रुकने से निधन हो गया।अस्पताल प्रशासन के अनुसार उन्हें आईसीयू में विशेषज्ञ निगरानी में रखा गया था। स्वास्थ्य विभाग के आवश्यक प्रोटोकॉल के तहत संपर्क में आए लोगों की निगरानी और अन्य एहतियाती कदम जारी हैं। दोनों संक्रमित नर्सिंग स्टाफ नॉर्थ 24 परगना जिले के बारासात के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। इनमें एक पुरुष नर्स और एक महिला नर्स शामिल थीं। पुरुष नर्स इलाज के दौरान ठीक हो गया लेकिन महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई।उल्लेखनीय है कि निपाह एक ऐसा इन्फेक्शन है, जो मुख्य रूप से चमगादड़ों से फैलता है। पश्चिम बंगाल में खजूर के पेड़ से जो रस निकाला जाता है, उसे काफी लोग पीते हैं। ये रस अक्सर चमगादड़ों के संपर्क में आते हैं और वहीं से ये वायरस फैलता है।

देशव्यापी हड़ताल पर राहुल गांधी बोले- मजदूरों और किसानों के संघर्ष के साथ मजबूती से खड़ा हूं

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्रेड यूनियन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि वह मजदूरों और किसानों के मुद्दों व संघर्षों के साथ मजबूती से खड़े हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देशभर में लाखों मजदूर और किसान अपने हक की आवाज बुलंद करने के लिए सड़कों पर हैं। मजदूरों को डर है कि चार श्रम कानून उनके अधिकारों को कमजोर कर देंगे। किसानों को आशंका है कि व्यापार समझौता उनकी आजीविका पर चोट करेगा, और मनरेगा को कमजोर या खत्म करने से गांवों का आखिरी सहारा भी छिन सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उनके भविष्य (श्रम कानूनों) से जुड़े फैसले लिए गए, उनकी (मजदूरों और किसानों) आवाज को नजरअंदाज किया गया। राहुल गांधी ने लिखा, क्या सरकार अब सुनेगी या उन पर किसी ग्रिप की पकड़ बहुत मजबूत है? कांग्रेस सांसद ने अपने पोस्ट के आखिर में लिखा, मैं मजदूरों और किसानों के मुद्दों और उनके संघर्ष के साथ मजबूती से खड़ा हूं।संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले किसान यूनियनों ने देशभर में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। उन्होंने भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को भारतीय कृषि, डेयरी और ग्रामीण रोजी-रोटी के लिए सीधा खतरा बताया है।किसान यूनियनों ने तर्क दिया है कि यह रूपरेखा वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बार-बार दिए गए इस भरोसे के उलट है कि खेती और डेयरी को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से बाहर रखा जाएगा। उन्होंने हाल के दूसरे एफटीए के नियमों पर भी चिंता जताई, जिनमें न्यूजीलैंड, यूरोपियन यूनियन (ईयू) और यूके के साथ साइन किए गए एफटीए शामिल हैं। यूनियनों ने मांग की है कि सरकार ट्रेड बातचीत में खेती और डेयरी पर अपना स्टैंड साफ करे और घरेलू किसानों व ग्रामीण मजदूरों को संभावित बुरे असर से बचाए।

भारतीय निवेशक डॉ. भार्गव मल्लप्पा ने 'कंपुंग भरू 2.0' ट्विन टॉवर परियोजना में किया निवेश

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में प्रस्तावित 'कंपुंग भरू 2.0' पुनर्विकास परियोजना को बड़ा अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। डीएसएटी ग्रुप मलेशिया ने घोषणा की है कि भारतीय निवेशक डॉ. भार्गव मल्लप्पा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इस परियोजना के तहत प्रस्तावित आइकॉनिक ट्विन टॉवर (आरएम) विकास भी शामिल है। डीएसएटी ग्रुप के अनुसार, डॉ. मल्लप्पा ने डीएसएटी प्राइवेट इक्विटी एसडीएन. बीएचडी. में औपचारिक रूप से शेयर अधिग्रहण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कंपनी सिक्योरिटीज कमीशन मलेशिया से लाइसेंस प्राप्त निजी निवेश मंच है, जिसके माध्यम से बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट और संस्थागत निवेश प्रबंधित किए जाते हैं। कंपुंग भरू 2.0 को राजधानी के केंद्रीय हिस्से के व्यापक शहरी पुनर्विकास के रूप में विकसित किया जा रहा है।

राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से नहीं मिली जमानत, अब 16 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव की जमानत याचिका पर आज दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की तमाम दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई को सोमवार 16 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 16 फरवरी को होगी। सुनवाई के दौरान दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजपाल यादव के 3 करोड़ रुपये से अधिक की राशि चुकाने के आश्वासन पर चिंता व्यक्त की और कहा कि मामला काफी समय से लंबित है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायालय ने बताया कि पुनरीक्षण सुनवाई और मध्यस्थता कार्यवाही के दौरान कई बार वादे किए जाने के बावजूद, राजपाल यादव ने लगभग 25-30 बार सुनवाई स्थगित करवाई और बकाया राशि का भुगतान नहीं किया।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट ने राजपाल यादव से कहा, 'आप जेल इसलिए गए हैं क्योंकि आपने अपना वादा पूरा नहीं किया।' कोर्ट का कहना है कि राजपाल यादव को कम से कम दो दर्जन से ज्यादा मौके दिए गए, लेकिन उन्होंने अपना वादा पूरा नहीं किया। राजपाल यादव ने परिवार में शादी का हवाला देते हुए बेल मांगी थी।

पटना सिविल कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी, तीसरी बार मचा हड़कंप

पटना (आरएनएस)। पटना सिविल कोर्ट को गुरुवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। अज्ञात व्यक्ति द्वारा ईमेल के जरिए पूरे कोर्ट भवन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसकी सूचना मिलते ही एहतियातन अदालत परिसर को तुरंत खाली करा लिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने सिविल कोर्ट के तीनों प्रवेश द्वार बंद कर दिए और किसी भी व्यक्ति के अंदर आने पर रोक लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंच गई। पूरे कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की सघन तलाशी ली जा रही है। हालांकि खबर लिखे जाने तक किसी संदिग्ध वस्तु की पुष्टि नहीं हुई है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जा रही है और हर एंगल से जांच की जा रही है। एसआई सिंकू कुमारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि धमकी भरे ईमेल के बाद सर्च किया जा रहा है। अभी तक किसी संदिग्ध वस्तु के बारे में पता नहीं चला है।टाउन डीएसपी राजेश रंजन ने बताया कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, सामान्य कामकाज शुरू करना जोखिम भरा होगा।

तेज हवाओं से एनसीआर को राहत, एक्यूआई में आंशिक सुधार, येलो और ऑरेंज जोन में वायु गुणवत्ता सूचकांक

नोएडा (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बीते दिनों चली तेज हवाओं का असर अब वायु गुणवत्ता पर साफ दिखाई देने लगा है। प्रदूषण के स्तर में आंशिक सुधार दर्ज किया गया है और कई इलाकों का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) रेड जोन से निकलकर येलो और ऑरेंज जोन में पहुंच गया है। प्रदूषण अभी भी पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं है, लेकिन हालात पहले से बेहतर माने जा रहे हैं। दिल्ली में अलग-अलग मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़ों के मुताबिक, बवाना में एक्यूआई 259 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज जोन में है। अशोक विहार में 220 और आनंद विहार में 218 एक्यूआई रिकॉर्ड हुआ। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज क्षेत्र में 202 एक्यूआई दर्ज किया गया। वहीं, अलीपुर में 181, बुराड़ी क्रॉसिंग में 169, चांदनी चौक में 162, सीआरआरआई मथुरा रोड पर 171 और डीटीयू क्षेत्र में 169 एक्यूआई दर्ज किया गया। आया नगर में एक्यूआई 160 रहा। सभी इलाके येलो से ऑरेंज जोन की श्रेणी में बने हुए हैं।

नोएडा में भी वायु गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 190, सेक्टर-62 में 170, सेक्टर-1 में 190 और सेक्टर-116 में 175 दर्ज किया गया। ये सभी आंकड़े येलो जोन के आसपास हैं, जो मध्यम श्रेणी की वायु गुणवत्ता को दर्शाते हैं। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 225 और वसुंधरा में 230 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज जोन में है। वहीं, संजय नगर में एक्यूआई 139 रहा, जो अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति को दर्शाता है और येलो जोन में आता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। 12 फरवरी को अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम 12 डिग्री रहने का पूर्वानुमान है। जबकि, 13 फरवरी को 27/12 डिग्री और 14 फरवरी को 28/13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

अगले कुछ दिनों तक सुबह के समय हल्की धुंध की स्थिति बनी रह सकती है। फिलहाल किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है।

सिवनी मालवा में पुलिया के नीचे मिले तीन युवकों के शव, सड़क हादसे में मौत की आशंका

नर्मदापुरम, (निप्र)। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में सिवनी मालवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हथनापुर में गुरुवार सुबह

एक पुलिया के नीचे तीन युवकों के शव बरामद हुए हैं। आशंका है कि तीनों बाइक समेत पुलिया से नीचे गिरे, जिससे इनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, ग्राम हथनापुर स्थित कीर ढाबे के पास गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने पुलिया के नीचे एक बाइक के साथ तीन युवकों के शव पड़े देखे और तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई है।सिवनी मालवा थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर ने बताया कि मृतकों की पहचान नितिन रैकवार (26), राहुल जाट (35) और राकेश गौर (35) तीनों निवासी सिवनी मालवा के रूप में हुई। पुलिया की ऊंचाई लगभग 8 फीट है। रेलिंग नहीं है। युवक नशे में थे या नहीं, इसका पता पोस्टमॉर्टम के बाद ही चल पाएगा।ग्रामीणों का कहना है कि घटना को देखते हुए तो यह सड़क हादसा ही लग रहा है। हो सकता है कि देर रात तीनों युवक टू व्हीलर समेत पुलिया से नीचे गिरे हों, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की वजह की जांच कर रही है।

भवन निर्माण में उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालीन कार्य योजना अपनाये : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया भवन विकास निगम के प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम 2.0 पोर्टल लाँच
म.प्र. भवन विकास निगम के ब्रोशर और पुस्तकों के मैनुअल का हुआ विमोचन

भोपाल (निप्र) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि निर्माण सिर्फ ईंट-पत्थर का संयोजन नहीं, एक अभिनव कला है। इसमें उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक कार्य योजना को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अब हर निर्माण कार्य में कन्सेप्चुअल और क्वालिटेटिव एप्रोच अनिवार्य रूप से दिखाई देना चाहिए। गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। प्रदेश के विकास के लिए हम सभी को पूरी क्षमता दक्षता से काम करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रवीन्द्र भवन में लोक निर्माण विभाग अन्तर्गत मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक निर्माण विभाग के तकनीकी अधिकारियों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अभियंताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैचारिक प्रतिबद्धता और कार्यशैली में जड़ता से बचने और बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को अद्यतन रखने के लिए कौशल संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। ऐसी कार्यशालाएं अभियंताओं की स्किल्स को रिफ्रेश करती हैं और उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों में दीर्घकालिक दृष्टि, नवाचार और पारदर्शिता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पीएम गतिशक्ति योजना के माध्यम से लोक निर्माण विभाग नवाचारों को धरातल पर उतार रहा है। वर्तमान समय में हमारे इंजीनियर्स साक्षात् भगवान विश्वकर्मा के अवतार हैं। लोक निर्माण विभाग ने पिछले 2 वर्षों के कार्यों के आधार पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। इस अवधि में सराहनीय कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गीता के अंतिम अध्याय में ज्ञान और विज्ञान की बात कही गई है, जिसमें मन, बुद्धि और अहंकार के साथ पंच तत्वों की व्याख्या की गई है। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स की यह कार्यशाला आधुनिक संरचनाओं के निर्माण को गति प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण पहल है। हमारे इंजीनियर्स ने सांदीपनि विद्यालय सहित बड़े-बड़े अधोसंरचनात्मक विकास के निर्माण कार्य किए हैं। सड़क, पुल, स्टेडियम और भवन जैसे निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से ही किये जाते हैं। विभागीय इंजीनियर्स की क्षमता संवर्धन के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण की आवश्यकता भी है। उन्होंने कहा कि इंजीनियर्स को अपना काम करने में अनेक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। आज की कार्यशाला में एमपीआईडीसी सहित देश की विभिन्न संस्थाओं के साथ समझौते हुए हैं। प्रदेश में ग्रीन बिल्डिंग के विकास को लेकर सहमति बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कार्यों और नवाचारों के लिए लोक निर्माण मंत्री एवं विभाग को बधाई दीं।

तकनीक, पारदर्शिता और गुणवत्ता से बदलेगा निर्माण तंत्र : लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने क्षमता संवर्धन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि विभाग की उस निरंतर सुधार यात्रा का प्रतीक है जिसमें नई सोच, नई प्रणाली और उच्च गुणवत्ता के साथ लोक निर्माण विभाग आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब सोच बदलती है तभी व्यवस्था बदलती है, और यह कार्यशाला विभाग के नवाचारों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में अधोसंरचना विकास को केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उसे सुशासन, पारदर्शिता, तकनीक और नागरिक सुविधा से जोड़ा गया है।

यूजीसी के समर्थन में भीम आर्मी-एएसपी का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

भोपाल (निप्र)। भीम आर्मी भारत एकता मिशन और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने गुरुवार को राजधानी भोपाल में विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता अंबेडकर जयंती मैदान पर एकत्र हुए और मुख्यमंत्री के नाम 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।संगठन ने चेतावनी दी कि यदि दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, किसानों और छात्रों से जुड़ी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में आंदोलन तेज किया जाएगा। ज्ञापन में ओबीसी आरक्षण को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। संगठन ने 13 प्रतिशत होल्ड आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग की। साथ ही आगामी जातिगत जनगणना में पिछड़ा वर्ग की जातियों के लिए अलग कॉलम सुनिश्चित करने की बात कही। इसके अलावा एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लंबित बैकलॉग पदों को विशेष भर्ती अभियान चलाकर भरने तथा पदोन्नति में आरक्षण लागू करने की मांग रखी गई।उच्च शिक्षा के मुद्दे पर संगठन ने यूजीसी विनियम 2026 में संशोधन कर वर्ष 2012 की तर्ज पर सख्त दिशा-निर्देश लागू करने की मांग की। उनका कहना है कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में भेदभाव की घटनाओं को रोकने के लिए इक्विटी कमेटी और एंटी-डिस्क्रिमिनेशन तंत्र में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग की कम से कम 50 प्रतिशत भागीदारी अनिवार्य की जाए। किसानों से जुड़े मुद्दों पर भी संगठन ने आवाज उठाई। ज्ञापन में हाल की ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का पारदर्शी सर्वे कर तत्काल मुआवजा देने की मांग की गई। नीमच स्थित धानुका इथेनॉल प्लांट से कथित प्रदूषण की स्वतंत्र जांच कराने की भी बात कही गई। इसके अलावा एससी-एसटी वर्ग को आवंटित जमीनों से अवैध कब्जे हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने और 2 अप्रैल 2018 के आंदोलन तथा मिहिर भोज प्रतिमा विवाद से जुड़े मामलों को वापस लेने की मांग की गई।

पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में विद्यार्थियों का होगा वैचारिक मंथन

- वाद-विवाद प्रतियोगिता 13 फरवरी को

भोपाल, (निप्र)। पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ द्वारा 13 फरवरी, 2026 को राजधानी भोपाल के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए क्या एसआईआर लोकतंत्र के हित में है? विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जनसंपर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने गुरुवार को बताया कि यह प्रतियोगिता संसदीय विद्यापीठ के सभागार, विंध्याचल भवन (भूतल), भारतीय स्टेट बैंक के पास, भोपाल में आयोजित होगी। वाद-विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रात: 10:45 बजे सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया जाएगा।

वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन का अभियान प्रारंभ

- 26 हज़ार गाँवो में वन अधिकार समितियों का प्रशिक्षण

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण-सत्रों की शुरुआत की गई है। प्रथम चरण में 21 जिला मुख्यालयों पर उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति के शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों सहित जिला स्तर पर नामांकित मास्टर ट्रेनर्स के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जनसम्पर्क अधिकारी अवनीश सोमकुंवर ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में सामुदायिक वन संसाधन के अधिकार के लिए 26 हजार से अधिक ग्रामों को चिंहित किया गया है। इन अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पिछले वर्ष से अभियान शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इसका संचालन किया जा रहा है। उपखंड स्तरीय समितियों को वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के साथ विशेष रूप से सामुदायिक वन संसाधन के अधिकारों के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनजातीय कार्य विभाग ने विशेष पहल करते हुए, टास्क फोर्स के विशेषज्ञों की मदद से राज्य स्तर पर 35 ''राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स'' की टीम तैयार की है। यह टीम अनुसूचित क्षेत्र के 20 जिलों की उपखंड स्तरीय समितियों के 828 सदस्यों का प्रशिक्षण पूरा करेगी।

पद्मश्री सत्येंद्र सिंह लोहिया ने रचा इतिहास

कुक स्ट्रेट पार करने वाले एशिया के पहले दिव्यांग तैराक बने

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश के गौरव, पद्मश्री सम्मानित अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया ने विश्व की सबसे कठिन समुद्री तैराकियों में से एक न्यूज़ीलैंड के कुक स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर इतिहास रच दिया। वे इस चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्ग को पार करने वाले एशिया के पहले दिव्यांग तैराक बन गए हैं।तैराक श्री लोहिया 18 जनवरी 2026 से न्यूज़ीलैंड में इस अभियान की तैयारी कर रहे थे और लगातार ठंडे पानी में कठिन अभ्यास व अक्लिमेटाइजेशन कर रहे थे। 28 जनवरी को उनका पहला प्रयास खराब मौसम के कारण रोकना पड़ा था। उन्होंने हार नहीं मानी और पुन: तैयारी कर निर्धारित दिनांक 12 फरवरी को अदम्य साहस और आत्मविश्वास के साथ चुनौती स्वीकार की। तैराकी के दौरान उन्हें अत्यंत ठंडे पानी, तेज़ समुद्री धाराओं और प्रतिकूल मौसम जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, फिर भी उन्होंने दृढ़ संकल्प के बल पर लक्ष्य हासिल किया। 70 प्रतिशत दिव्यांग और व्हीलचेयर बाउंड होने के बावजूद उनकी यह उपलब्धि अदम्य इच्छाशक्ति और संघर्ष की मिसाल बन गई है। तैराक श्री लोहिया ने अपनी सफलता का श्रेय न्यूज़ीलैंड के अपने तैराक साथियों, पायलट फिलिप्स तथा सहयोगी मुजीब खान को दिया, जिन्होंने पूरे प्रशिक्षण और प्रयास के दौरान उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश और पूरे भारत की विजय है। यह विजय संदेश देती है कि संकल्प, साहस और निरंतर प्रयास से कोई भी असंभव लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पुलिस अधिकारियों की विधिक दक्षता बढ़ाने के लिये मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में 2 दिवसीय सेमिनार संपन्न

भोपाल, (निप्र) । मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी भोपाल में विगत दिनों अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम तथा सूचना का अधिकार अधिनियम विषयों पर आयोजित 2 दिवसीय सेमिनार का सफलतापूर्वक समापन हुआ।इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों की विधिक समझ को सुदृढ़ करना, संवेदनशील प्रकरणों में विधि अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करना तथा सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रभावी पालन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।सेमिनार में मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न इकाइयों से आए अधिकारियों को अधिनियमों के नवीनतम संशोधनों और माननीय न्यायालयों द्वारा दी गई कानूनी व्याख्याओं से अवगत कराया गया।साथ ही केस स्टडीज के माध्यम से जटिल प्रकरणों के प्रभावी क्रियान्वयन और विधिक प्रक्रियाओं के व्यावहारिक पक्षों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

मप्रः ओपन स्कूल से संवरा हजारों विद्यार्थियों का भविष्य, जारी हुए परीक्षा परिणाम

मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट www. mpsos nic.in पर विद्यार्थी देख सकते हैं अपना परीक्षा परिणाम

भोपाल,(निप्र)। मध्य प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड, भोपाल के माध्यम से रुक जाना नहीं योजना सहित विभिन्न ओपन स्कूल योजनाओं के परीक्षा परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए गए हैं। विद्यार्थी म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट www.mpsos.nic.in पर अपना परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के हजारों ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देने का अवसर मिला था जो मुख्य परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण हो गए थे बोर्ड द्वारा जानकारी दी गई कि माह दिसंबर 2025 में आयोजित रुक जाना नहीं योजना की परीक्षा में कक्षा 10वीं के 16 हजार 356 एवं कक्षा 12वीं के 23 हजार 847 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा 15 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक आयोजित की गई थीं। इसके साथ ही बोर्ड द्वारा रुक जाना नहीं (कक्षा 10 एवं 12), "राज्य ओपन परम्परागत" (कक्षा 5, 8, 10 एवं 12), "आ लौट चले" (कक्षा 10 एवं 12),"सीबीएसई ऑन डिमांड" (कक्षा 12), "आईटीआई 12 समकक्ष" और "मदरसा बोर्ड" योजनाओं के परीक्षा परिणाम भी घोषित कर दिए गए हैं।

जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लिखा पत्र, बजट सत्र से पहले तीन मंत्रियों की बर्खास्तगी की मांग

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर बजट सत्र शुरू होने से पहले मंत्रिमंडल के तीन सदस्यों को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गंभीर आरोपों के बावजूद मंत्रियों का पद पर बने रहना सरकार की नैतिक जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है।जीतू पटवारी ने अपने पत्र में कहा- राज्य का बजट सत्र 16 फरवरी से आरंभ हो रहा है, जिसमें राज्यपाल महोदय का अभिभाषण भी प्रस्तावित है। प्रदेश बढ़ते कर्ज के बोझ से जूझ रहा है, जिससे आपकी सरकार आंखें मूंदती हुई दिखाई दे रही है। इसी संदर्भ में एक गंभीर एवं जनभावनाओं से जुड़ा विषय आपके संज्ञान में लाना आवश्यक है। आपकी सरकार के बजट सत्र में ऐसे मंत्री उपस्थित रहेंगे, जिनकी मंत्रिमंडल में उपस्थित अब उपयोगिता से जुड़े उत्तर मांग रही है।

तीन मंत्रियों पर उठाए सवाल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पत्र में तीन मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है:

विजय शाह पर देश की बेटी और भारतीय सेना के अपमान से जुड़े गंभीर आरोपों का उल्लेख किया।

राजेंद्र शुक्ल के कार्यकाल में छिंदवाड़ा में जहरीली सिरप से बच्चों की मौत के मामले को उठाया।

कैलाश विजयवर्गीय पर अपने क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रहने का आरोप लगाया।पटवारी ने कहा कि इन घटनाओं के बावजूद संबंधित मंत्रियों का पद पर बने रहना सरकार की संवेदनशीलता और जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण से पहले हो कार्रवाई

अपने पत्र में पटवारी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि राज्यपाल के अभिभाषण से पूर्व इन मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटाया जाए, ताकि जनभावनाओं का सम्मान हो सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो यह संदेश जाएगा कि सरकार आरोपों पर मौन समर्थन दे रही है। उन्होंने कहा कि यह समय सरकार की नैतिक प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता की परीक्षा का है।

भारतीय पत्रकारिता के अबूझ पहलुओं की महागाथा है "समग्र भारतीय पत्रकारिता"

भोपाल,(निप्र.)। भारत में पत्रकारिता ने 246 साल की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर ली है। यह यात्रा नव जागरण आंदोलन के साथ-साथ चली है। इस यात्रा में राष्ट्रीयता के अनेक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। ज्ञान तीर्थ सप्रे संग्रहालय के तत्वावधान में श्री विजयदत्त श्रीधर ने भारतीय पत्रकारिता के तमाम अबूझ पहलुओं की महागाथा 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' का दस्तावेजीकरण किया है। 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' ग्रंथ के तीन भाग हैं—पहली सदी : 1780-1880, तिलक युग : 1881-1920 और गांधी युग : 1921-1948, तीसरे भाग में आजादी के बाद प्रकाशित प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं का परिशिष्ट जोड़ा गया है। विषय की व्यापकता, तथ्यों की प्रामाणिकता तथा भारतीय भाषाओं के बीच संवेदना की एकात्मता की दृष्टि से यह अनूठा ग्रंथ है।

'समग्र भारतीय पत्रकारिता' ग्रंथ का विमोचन शुक्रवार, 13 फरवरी को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में मूर्धन्य संपादक त्रय श्री हरिवंश, श्री रामबहादुर राय और श्री अच्युतानंद मिश्र करेंगे। भारतीय पत्रकारिता की इस महागाथा का महत्व इन सारगर्भित टिप्पणियों से समझा जा सकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा के चिंतक, लेखक और संपादक श्री रामबहादुर राय ने पुस्तक के बारे में कहा है कि हिन्दी में भारतीय पत्रकारिता का यह पहला संदर्भ ग्रंथ है। इसे पत्रकारिता का पुराण भी माना जा सकता है।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

राजगढ़ एवं नीमच जिले में अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स एवं हरे अफीम के पौधे जब्त

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध निर्माण, तस्करी एवं खेती के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी कार्यवाही के परिणामस्वरूप राजगढ़ एवं नीमच जिले में की गई दो अलग-अलग बड़ी कार्रवाइयों में पुलिस ने 21 करोड़ 97 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ (एमडी ड्रग्स एवं अफीम के पौधे) जब्त किए है।

नीमच- 9.76 क्विंटल अवैध अफीम के हरे पौधे जब्त — कीमत लगभग 97 लाख 60 हजार रूपए

जिले की पुलिस चौकी जाट को 11 फरवरी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्रामलुहारिया जाटमें कपास की फसल की आड़ में अवैध अफीम की खेती की जा रही है। सूचना पर पुलिस द्वारा तकनीकी साधनों एवं ड्रोन सर्चिंग के माध्यम से पुष्टि कर कार्रवाई की गई।पुलिस टीम द्वारा मौके से 11,600 नग हरे पौधे (कुल वजन 09 क्विंटल 76 किलोग्राम) अफीम के पौधे जब्त किए गए। कुल बरामद किए गए है। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 97 लाख 60 हजार रुपयेहै। आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण

पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

राजगढ- 21.510 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जप्त, अनुमानित कीमत लगभग 21 करोड रूपए

जिले की राजगढ़ पुलिस दो अलग-अलग कार्यवाही में एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना माचलपुर पुलिस ने 11 फरवरी को मुखबिर की सूचना पर ग्राम माणा के पास से आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपने घर ग्राम अरनिया में एमडी ड्रग्स छिपाकर रखने की जानकारी दी।आरोपी के घर की तलाशी लेने पर पुलिस ने किचन में रखे कार्टून से 10.160 किलोग्राम एमडी ड्रग्स कीमत लगभग 10 करोड़ रूपएजब्त की।

आरोपी की निशानदेही पर एक अन्य कार्रवाई में सहआरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसके द्वारा खेत में छिपाकर रखे गए मादक पदार्थ की जानकारी देने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सरसों के खेत में हरे रंग के कार्टून से 11.350 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है।दोनों कार्रवाई में पुलिस ने कुल 21.510 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जप्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 21 करोड़ रूपए आंकी गई है।

इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार निगरानी रखते हुए सुनियोजित, सख्त और निरंतर कार्रवाई की जा रही है। नशा तस्करी चाहे किसी भी स्वरूप या स्तर पर हो, उसके विरुद्ध कड़े कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखा जा सके।

रंगदारी नहीं देने पर महिला का मोबाइल तोड़ा

जबलपुर (ए.)। अधारताल थाना क्षेत्र में शिव मंदिर के पास टहल रही एक महिला से जबरन रुपए की मांग कर गालीगलौज व मारपीट कर उसका मोबाइल तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय महिला को हाउसिंग बोर्ड कालोनी महाराजपुर अधारताल निवासी 28 वर्षीय वेदांत शुक्ला ने कुछ दिन पहले उज्जैन में जॉब लगवाई थी। उसके बाद वेदांत उससे बार बार बात करने के लिये उसे टार्चर करने लगा। गत रात लगभग 9 बजे वह शिव मंदिर के पास टहल रही थी तभी वेदांत शुक्ला उसके पास आया और उससे 2 हजार रुपए की मांग करने लगा, मना करने पर गाली गलौज व मारपीट कर उसका सैमसंग कंपनी का मोबाइल तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 324(4), 119(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी वेदांत शुक्ला को अभिरक्षा में लेते हुये प्रकरण विवेचना में लिया गया।

फ्लेट का सौदा तय कर 15 लाख हड़पे

जबलपुर (ए.)। गोरखपुर पुलिस ने एक बिल्डर के खिलाफ फ्लेट का सौदा कर रजिस्ट्री निष्पादन नहीं करने और 15 लाख रुपए हड़पने के मामलें की शिकायत जांच के बाद धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखसागर वैली निवासी 30 वर्षीय प्रखर पाठक ने लिखित शिकायत की कि उसकी मुलाकात वर्ष 2018 में रामाकांत सतनामी से भूमि के सौदे के लिये हुई थी। उसके बाद से रामाकांत सतनामी के द्वारा बरगी ग्राम खापा गौरी की भूमि को क्रय कर कराया गया था। अन्य भूमियों में इन्वेस्टमेंट के लिये रामाकांत सतनामी ने सम्पर्क किया गया तो रामाकांत सतनामी के द्वारा उसे लक्ष्मीपुर म.न. 643 प.ह.न. 25/31 अब नया 4 स्वामी विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड जिला जबलपुर स्थित डायवरटेड खसरा नम्बर 152/2 एवं 153/2 की भूमि पर निर्मित बहुमंजिला भवन शंभू श्री अपार्टमेन्ट के प्रथम तल पर स्थित फ्लेट न 101 जिसका सुपरविल्डअप एरिया 1211 वर्ग फुट है अपार्टमेंट की कुल भूमि पर 242.2 वर्ग फुट अविभाजित हक हिस्सा है एवं दो अन्य भूमि को विक्रय करने आफर दिया रमाकांत सतनामी के द्वारा यह भी बताया कि उक्त फ्लेट और भूमियों के स्वामी श्रीमति शांति देवी गुप्ता एंव श्रीमति लता वासनिक के नाम पर दर्ज है रामकांत सतनामी द्वारा उक्त भूमि फ्लेट के दस्तावेज दिखाये जिससे विश्वास हो गया। उसके कुछ दिनों बाद रमाकांत सतनानी ने बताया कि उक्त फ्लेट एंव भूमि की कुल कीमत 45 लाख रूपये हैं वह फ्लेट खरीदने के लिए तैयार हो गया और 13 अगस्त 2021 को विक्रय अनुबंध रमाकांत सतनामी एंव रामकुमार मांझी के समक्ष निष्पादित किया गया तथा उक्त भूमि व फ्लेट विक्रय अनुबंध के कुल 15 लाख रूपये आरटीजीएस के माध्यम से दिए गए। सौदा 13 अक्टूबर 2021 को रमाकांत के ऑफिस छोटी लाईन फाटक में किया गया था।

भावान्तर योजना से लाभान्वित किसानों ने कृषि मंत्री श्री कंषाना का किया आभार व्यक्त

देवास (ए.)। किसान कल्याण एवं कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना का देवास जिले की तहसील कन्नौज के ग्राम ननासा में भावान्तर भुगतान योजना से लाभान्वित किसानों ने स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भावान्तर योजना किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिये अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका सीधा लाभ किसानों तक पहुँच रहा है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर्व पर अत्याधुनिक ड्रोन और सीसीटीवी से होगी महाकाल मंदिर की निगरानी

उज्जैन, (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर एडीजी राकेश गुप्ता विशेष रूप से चिंतित हैं। एक समय उज्जैन में एसपी,डीआईजी और फिर आईजी रह चुके तथा पुनः रैंज के आईजी बनकर लौटे गुप्ता ने पुलिस अधिकारियों से महाशिवरात्रि परिप्रेक्ष्य में दर्शन व्यवस्था, वीआईपी मुवमेंट, यातायात एवं भीड़ प्रबंधन पर फिडबेक ले रहे हैं। महाशिवरात्रि पर्व पर महाकाल मंदिर में 15 और 16 फरवरी को करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की संभावना है। यह संख्या पिछले अनुभवों के आधार पर बढ़ सकती है। 15 फरवरी को तडके भस्मार्ती होने के पश्चात मंदिर के पट सतत 44 घण्टे तक दर्शन के लिए 16 फरवरी की दोपहर की भस्मार्ती पूर्व तक आमजन के लिए खुले रहेंगे। 16 फरवरी को दोपहर में वर्ष में एक बार होनेवाली भस्मार्ती होगी।

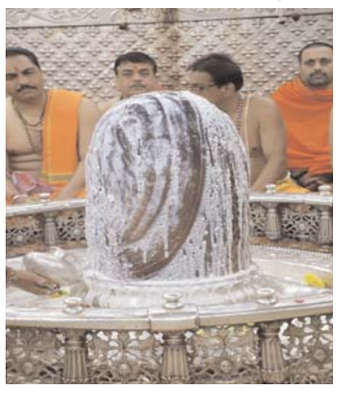

विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन सदस्यों का जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन

इन्दौर (ए.)। कलेक्ट्रेट तिराहे स्थित गंजी कम्पाउण्ड के पास, निर्वाचन कार्यालय के सामने अपनी लम्बित मांगों के लिये विद्युत मण्डल पेंशनर्स इन्दौर के सदस्यों द्वारा म.प्र. विद्युत मण्डल पेंशनर्स एसोसिएशन संयुक्त मोर्चे द्वारा दोपहर 12.00 बजे से 4.00 बजे तक धरना दिया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष आर.सी. सोमानी एवं सचिव मनोज राणा के अनुसार विगत कई दिनों से म.प्र. विद्युत मण्डल पेंशनर्स एसोसिएशन ने अपनी दो ज्वलंत एवं महत्वपूर्ण मांग एक पेंशनर्स को पेंशन की ग्यारंटी एवं दूसरी केन्द्र सरकार द्वारा घोषित तिथि से महंगाई राहत के पश्चात तुरंत घोषित करने के लिए संपूर्ण प्रदेश में जिलास्तर पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया किया गया। यह प्रदर्शन शासन को जाग्रत कर मुख्यमंत्री के ध्यानाकर्षण हेतु था। इस धरना प्रदर्शन में राज्य सरकार की प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्याम जोशी, महामंत्री बाबुलाल शर्मा, रमेशचंद्र मेहता एवं बडी संख्या में महिला सदस्यों के साथ-साथ सेकडों की संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। सभा का संचालन सुदर्शन जटाले द्वारा किया गया एवं आभार मनोज राणा द्वारा माना गया

सिंगरौली में पूजा के बहाने दो की हत्या, अंधविश्वास के शक में युवक ने की वारदात, बीच-बचाव करने आए दो घायल

सिंगरौली, (ए.)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के अतरवा गांव में गुरुवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक युवक ने कथित तौर पर पूजा के बहाने पड़ोस में रहने वाली एक महिला और एक बुजुर्ग पुरुष की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। उसने दोनों के सिर धड़ से अलग कर दिए। घटना में बीच-बचाव करने आए दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना गुरुवार सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच हुई। आरोपी छत्रपति सिंह (21) ने पड़ोस में रहने वाली फूल कुमारी सिंह (50) और केमला सिंह (65) समेत कुछ लोगों को पूजा के लिए अपने घर बुलाया था। इसी दौरान उसने धारदार हथियार से दोनों पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शोर सुनकर जब गांव के अन्य लोग पहुंचे और बीच-बचाव का प्रयास किया, तो आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया। इस हमले में सुमित्रा सिंह और रामभजन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां

उनका उपचार जारी है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

घटनास्थल से पूजा सामग्री बरामद

मौके से नारियल, अगरबत्ती सहित पूजा-पाठ से जुड़ी सामग्री बरामद हुई है। प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे अंधविश्वास या जादू-टोने से जुड़ा शक सामने आया है।

पत्नी के गर्भपात के बाद तनाव में था आरोपी

एसपी मनीष खत्री ने बताया कि अब तक की पूछताछ में पता चला है कि आरोपी की पत्नी का कुछ समय पहले गर्भपात हो गया था। इसके बाद से वह मानसिक तनाव में था और उसे यह भ्रम हो गया था कि देवी-देवता नाराज हैं। पूजा करनी पड़ेगी। उसने दो दिन पहले घर के बाहर मिट्टी का चबूतरा बनवाया था और गुरुवार सुबह पूजा कराने की बात कही थी। पूजा के लिए आए चार-पांच लोगों में से दो की उसने हत्या कर दी।

सभी पहलुओं पर जांच जारी

एसपी के अनुसार, आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है।

व्यापार समाचार

बैंकों की मनमानी पर आरबीआई का चाबुक, लोन के साथ अब नहीं चिपका पाएंगे बीमा और क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली (ए.)। अगर आप भी बैंक में लोन लेने जाते हैं और बैंक अधिकारी लोन की फाइल के साथ आपको जबरदस्ती बीमा पॉलिसी या क्रेडिट कार्ड थमा देते हैं, तो यह खबर आपको बड़ी राहत देने वाली है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बैंकों द्वारा की जा रही 'मिस-सेलिंग' और डिजिटल धोखाधड़ी यानी 'डार्क पैटर्न' पर नकेल कसने की तैयारी कर ली है। केंद्रीय बैंक ने इसके लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो आगामी 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हो जाएंगे। इन नियमों का सीधा असर यह होगा कि अब कोई भी बैंक आपकी स्पष्ट और अलग से दी गई सहमति के बिना आपको कोई भी एक्स्ट्रा प्रोडक्ट नहीं बेच पाएगा।

एक क्लिक में सहमति का खेल खत्म

अब तक डिजिटल बैंकिंग में अक्सर देखा जाता था कि ग्राहक जब लोन या किसी सेवा के लिए ऑनलाइन आवेदन करता है, तो वहां पहले से टिक किए गए बॉक्स या 'आई एग्री' (I Agree) का एक ही बटन होता है। इस एक बटन को दबाते ही ग्राहक अनजाने में लोन के साथ-साथ बीमा और अन्य सेवाओं के लिए भी अपनी मंजूरी दे देता था। आरबीआई ने साफ कर दिया है कि अब यह तरीका नहीं चलेगा। नए नियमों के मुताबिक, बैंकों को हर एक प्रोडक्ट के लिए ग्राहक से अलग-अलग और स्पष्ट

सहमति लेनी होगी। यानी लोन के लिए अलग हस्ताक्षर और बीमा के लिए अलग मंजूरी अनिवार्य होगी, जिससे छुपे हुए एग्रीमेंट का डर खत्म हो जाएगा।ग्राहक की हैसियत देखकर ही बेच सकेंगे प्रोडक्ट

नए दिशा-निर्देशों में बैंकों की जवाबदेही तय की गई है कि वे ग्राहक की प्रोफाइल और जरूरत के हिसाब से ही प्रोडक्ट बेचें। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी ग्राहक की आय सीमित है और बैंक उसे कोई जटिल और जोखिम भरा निवेश प्लान बेच देता है, तो इसे अब 'मिस-सेलिंग' माना जाएगा। बैंक को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह जो प्रोडक्ट ऑफर कर रहा है, वह ग्राहक की आर्थिक स्थिति से मेल खाता है या नहीं। साथ ही, यह भी स्पष्ट बताना होगा कि बेचा जा रहा प्रोडक्ट खुद बैंक का है या किसी थर्ड पार्टी कंपनी का है।

डार्क पैटर्न और एजेंटों पर भी सख्ती

आरबीआई ने डिजिटल ऐप्स और वेबसाइटों पर इस्तेमाल होने वाले 'डार्क पैटर्न' को भी प्रतिबंधित कर दिया है।

अक्सर ग्राहकों को 'आज आखिरी मौका' या उल्टी गिनती वाली घड़ी दिखाकर दबाव में फैसला लेने पर मजबूर किया जाता है, जिसे अब गैर-कानूनी माना जाएगा। इसके अलावा, बैंकों में बैठे थर्ड पार्टी एजेंट अब खुद को बैंक कर्मचारी बताकर ग्राहकों को गुमराह नहीं कर सकेंगे। उन्हें अपनी पहचान साफ तौर पर बतानी होगी और बिक्री के लिए कॉल भी सिर्फ तय ऑफिस समय में ही करनी होगी।

नियम तोड़े तो भरना होगा हर्जाना

सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि अगर जांच में यह साबित हो जाता है कि बैंक ने गलत तरीके से या अधूरी जानकारी देकर कोई प्रोडक्ट बेचा है, तो बैंक को ग्राहक का पूरा पैसा वापस करना होगा। इतना ही नहीं, अगर उस गलत प्रोडक्ट की वजह से ग्राहक को कोई आर्थिक नुकसान हुआ है, तो बैंक को उसकी भरपाई भी करनी होगी।

फिलहाल आरबीआई ने इन नियमों का ड्राफ्ट जारी किया है, जिस पर 4 मार्च 2026 तक सुझाव मांगे गए हैं और अंतिम रूप से 1 जुलाई 2026 से इसे पूरे देश में लागू कर दिया जाएगा।

अचानक फिर टूटी चांदी, 1200 रुपए तक गिरे दाम; सोना भी 660 रुपए हुए सस्ता

मुंबई (ए.)। सोने-चांदी की कीमतों में गुरुवार को गिरावट देखने को मिली। सोना 660 रुपये सस्ता होकर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं चांदी 1200 रुपये गिरकर 2.62 लाख प्रति किलो पर आ गई।

एमसीएक्स पर गुरुवार को चांदी की कीमतें चार प्रतिशत की तेजी के साथ 2.62 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वहीं सोना की कीमतों में 1,957 रुपये का उछाल देखने को मिला। सोना 1.25% चढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

पिछले दिन बुधवार को चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई और यह 4,000 रुपये उछलकर 2.68 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई। वहीं, सोने के भाव में भी मजबूती रही और यह 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया।

स्पॉट गोल्ड की कीमत मामूली गिरावट के साथ 5,080 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जबकि स्पॉट सिल्वर 2 प्रतिशत लुढ़ककर 82.2 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अमेरिकी श्रम बाजार के मजबूत आंकड़ों के बाद गुरुवार को एशियाई कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। मजबूत जॉब डेटा से यह संकेत मिला है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती नहीं कर सकता, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा है।

बड़े लेनदेन करना होगा आसान, नए इनकम टैक्स ड्राफ्ट नियमों में पैन नंबर देने को लेकर हुए अहम बदलाव

नई दिल्ली (ए.) । सरकार की ओर से इनकम टैक्स नियमों का ड्राफ्ट जारी कर दिया गया है, इसमें नए इनकम टैक्स नियम 2026 में कई बड़े बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं। इन नए नियमों में बैंक में जमा और निकासी, वाहनों की खरीद, होटल बिल और प्रॉपर्टी खरीदने पर पैन नंबर देने से संबंधित नियमों में बदलाव किया गया है।

नए ड्राफ्ट इनकम टैक्स नियमों के मुताबिक, एक साल में किसी व्यक्ति को एक या एक से अधिक खातों में 10 लाख रुपए तक की जमा एवं निकासी करने पर पैन नंबर नहीं देना होगा। मौजूदा समय में किसी भी बैंक में एक दिन में 50,000 रुपए या उससे अधिक की राशि जमा करने पर पैन देना आवश्यक है।

ड्राफ्ट में वाहन खरीदने से जुड़े नियम में भी बदलाव हुआ है और 5 लाख रुपए से ऊपर का वाहन (दोपहिया वाहन को मिलाकर) खरीदने पर पैन नंबर देने को अनिवार्य करना प्रस्तावित किया गया है। मौजूदा समय में किसी भी मूल्य के दोपहिया वाहन के लिए पैन नंबर देना आवश्यक नहीं है, जबकि अन्य कोई भी वाहन खरीदने पर पैन नंबर देना आवश्यक है।

नए इनकम टैक्स नियमों के ड्राफ्ट में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए भी बड़ा बदलाव हुआ है। इसमें होटल और रेस्तरां या फिर बैंकेट हॉल में एक लाख के भुगतान पर पैन नंबर जरूरी नहीं हैं। मौजूदा समय में 50,000 रुपए या उससे अधिक के भुगतान पर पैन नंबर देना आवश्यक है।

इस ड्राफ्ट में प्रॉपर्टी से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया गया है। प्रस्तावित नियमों में 20 लाख रुपए तक की प्रॉपर्टी खरीदने पर पैन नंबर नहीं देना होगा, जबकि मौजूदा समय में यह सीमा 10 लाख रुपए है। नए इनकम टैक्स नियमों के तहत, बीमा कंपनी के साथ खाता खोलने के लिए पैन कार्ड अनिवार्य होगा।

सोना खरीदने और बेचने से पहले समझ लें टैक्स के नियम, वरना हो सकता है बड़ा नुकसान!

नई दिल्ली(ए.)। भारत में सोना सिर्फ गहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे सुरक्षित निवेश और परंपरा दोनों माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहारों और भविष्य की बचत के लिए लोग बड़ी मात्रा में सोना खरीदते हैं। लेकिन अक्सर निवेशक यह भूल जाते हैं कि सोना खरीदने, रखने और बेचने के हर चरण में टैक्स से जुड़े नियम लागू होते हैं। अगर इन नियमों की सही जानकारी न हो तो कमाई का बड़ा हिस्सा टैक्स में चला सकता है। ऐसे में सोने में निवेश से पहले टैक्स की पूरी समझ होना बेहद जरूरी है।

सोना खरीदते समय सबसे पहले जीएसटी का बोझ आता है। चाहे आप गोल्ड ज्वेलरी खरीदें, गोल्ड कॉइन लें या डिजिटल गोल्ड में निवेश करें, सोने की कीमत पर 3 प्रतिशत जीएसटी देना होता है। इसके अलावा, अगर आप ज्वेलरी खरीदते हैं तो उस पर लगने वाले मेकिंग चार्ज पर 5 प्रतिशत जीएसटी अलग से देना पड़ता है। यानी सोना खरीदते वक्त ही आपकी कुल लागत बढ़ जाती है।

जब आप सोना बेचते हैं, तब उस पर इनकम टैक्स (कैपिटल गेन्स टैक्स) लगता है। यह टैक्स बिक्री कीमत पर नहीं, बल्कि आपके मुनाफे पर लगाया जाता है।

ऑटो इंडस्ट्री में डेटा गोपनीयता जरूरी, बिक्री में भी रिकॉर्ड वृद्धि

नई दिल्ली (ए.)। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक अधिकारी ने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग में इनोवेशन ग्राहकों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा के भीतर होना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम में बताया कि इलेक्ट्रिक और पारंपरिक इंजन वाले वाहनों से ग्राहक से जुड़े कई तरह के डेटा निकलते हैं, जैसे डैशकैम का वीडियो फीड और इंफोटेनमेंट सिस्टम में जुड़े फोन नंबर। अधिकारी के अनुसार, इन सिद्धांतों का कार्यान्वयन तभी संभव है जब आप अपने सिस्टम को गोपनीयता को ध्यान में रखकर डिजाइन करें, अपने सिस्टम को सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन करें और इसका अर्थ यह है कि आप डेटा का सही तरीके से वर्गीकरण करें। इसके अतिरिक्त, भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग ने पिछले वर्ष नवंबर में अब तक की सबसे अच्छी बिक्री दर्ज की। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत बढ़कर 4,12,405 यूनिट हो गई। वहीं, तीन-पहिया वाहनों की बिक्री 21.3 प्रतिशत बढ़कर 71,999 यूनिट रही, जबकि दो-पहिया वाहनों की बिक्री 21.2 प्रतिशत उछलकर 19,44,475 यूनिट तक पहुंच गई। उद्योग को उम्मीद है कि लगातार सहायक नीतिगत सुधार और बेहतर बाजार भावना इस वृद्धि की गति को 2026 तक बनाए रखेंगे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ए.) । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले सकरात्मक संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण आई है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाबा बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक टूटकर 83,674.92 और 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी 146.65 अंक फिसलकर 25,807.20 पर बंद हुआ। इन दौरान निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट रही और ये 5.51 फीसदी टूटकर बंद हुए। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज), निफ्टी एनर्जी और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट रही।वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

पीयूष गोयल की टिप्पणी

यह कहना काफी नहीं है कि व्यापार समझौते पर बातचीत अभी चल रही है और उसे लिखा नहीं गया है। जब ऐसा होगा, तब पूरी जानकारी दी जाएगी। दरअसल, पीयूष गोयल की इस टिप्पणी ने अनिश्चय और बढ़ा दिया है। भारत- अमेरिका ट्रेड डील के बारे में डॉनल्ड ट्रंप की घोषणा से बने अनिश्चय के बीच वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आनन-फानन में प्रेस कांफ्रेंस कर किसान एवं अन्य समूहों को आश्वस्त करने की कोशिश की। कहा कि कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को सुरक्षित रखा जाएगा। मगर इससे आशंकाएं दूर नहीं हुईं, तो उसकी वजह वॉशिंगटन से आ रहे बयान हैं। अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंग्स और व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने बेलाग कहा है कि ट्रेड डील में कृषि शामिल है। यह भी कहा है कि अमेरिका के कृषि एवं औद्योगिक उत्पादों पर भारत शून्य आयात शुल्क लगाएगा। उधर ह्वाइट हाउस की प्रवक्ता केरोलीन लेविट कहा है कि भारत ना सिर्फ रूस से तेल खरीदना बंद करेगा, बल्कि अमेरिका और संभवत: वेनेजुएला से भी अधिक मात्रा में तेल खरीदेगा। ये वही बातें हैं, जिनका उल्लेख राष्ट्रपति ट्रंप ने किया था। इसलिए इन मुद्दों पर दो-टूक बयान की जरूरत है। यह कहना पर्याप्त नहीं है कि व्यापार समझौते के कई पहलुओं पर बातचीत चल रही है और उसे अभी लिखा नहीं गया है। जब ऐसा होगा, तब पूरी जानकारी दी जाएगी। दरअसल, गोयल की इस टिप्पणी ने प्रकरण पर और भी धुंध डाल दी है। क्या बिना डील संपन्न हुए ट्रंप ने एलान कर दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसके लिए उन्हें धन्यवाद दे दिया? ऐसा हुआ, तो उससे दोनों देशों के सर्वोच्च नेतृत्व की छवि और भी खराब होगी। फिर क्या भारत ऐसा आश्वासन लेने में सफल रहा है कि ट्रंप आगे चल कर ब्रिक्स+ की भारत की सदस्यता और ईरान जैसे देशों से व्यापारिक संबंध रखने को मुद्दा नहीं बनाएंगे? हाल में दक्षिण कोरिया से डील होने के बावजूद ट्रंप ने यह कर उस पर 25 फीसदी नया टैरिफ लगा दिया कि वह समझौते पर ठीक से अमल नहीं कर रहा है। ट्रंप के व्यवहार में ऐसी अस्थिरताएं भरी-पड़ी हैं। भारत सरकार का कर्त्तव्य इन तमाम पहलुओं का आकलन करते हुए आगे बढ़ना और देशवासियों को इस संबंध में अवगत रखना होना चाहिए। मगर फिलहाल आधी-अधूरी जानकारियों के आधार पर जश्न का माहौल बनाने की कोशिश होती हम देख रहे हैं।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने नई दिल्ली में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए ऑपरेशनल रोल इक्विपमेंट के साथ आठ डोर्नियर 228 एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन, कानपुर के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए।

भारत को अपनी उपलब्धियों को बचाए रखने हेतु एआई के उपयोग की जरूरत

सुश्री रुबल चिब

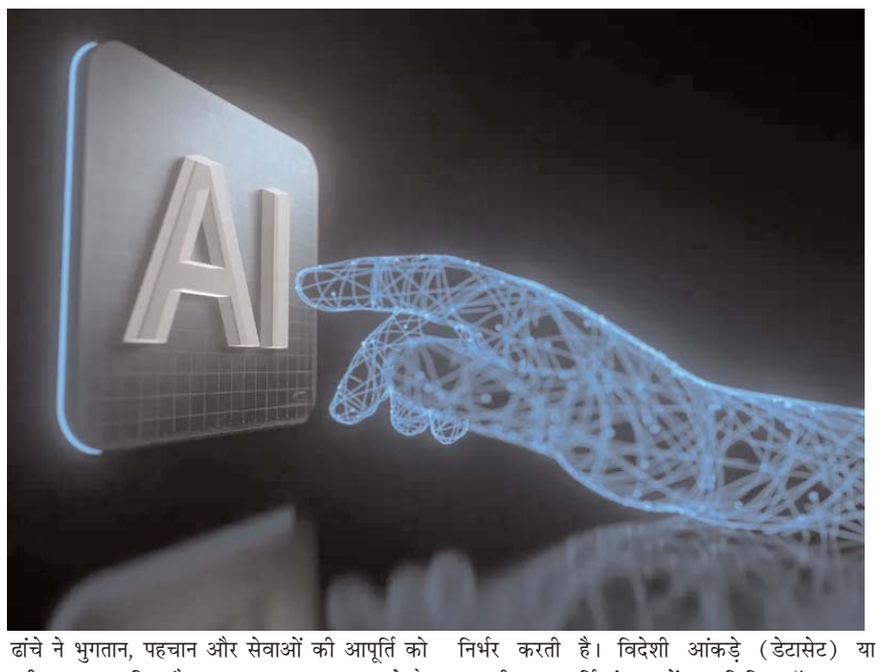

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर चल रहा विमर्श अब परिपक्व होता जा रहा है। ध्यान अब अमूर्त क्षमता से हटकर व्यावहारिक प्रभाव पर केन्द्रित होता जा रहा है। चर्चा एआई की सैद्धांतिक क्षमता से हटकर व्यवहार में उसके द्वारा हल की जा सकने वाली समस्याओं पर टिकती जा रही है। खाद्य और कृषि जैसे कुछ ही क्षेत्र इस अंतर को इतनी स्पष्टता से दर्शा पा रहे हैं। ये वो क्षेत्र हैं जहां अक्षमताएं मामूली नहीं बल्कि प्रणालीगत हैं और प्रौद्योगिकी को जहां जलवायु, लॉजिस्टिक्स एवं बाजार से जुड़ी गहरी स्थानीय वास्तविकताओं के दायरे में काम करना चाहिए।

खाद्य प्रणालियां इस समस्या को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। भारत अपनी आबादी को खिलाने के लिए पर्याप्त से अधिक उत्पादन करता है, फिर भी अनुमानित 68 मिलियन टन भोजन हर साल बर्बाद हो जाता है। इसमें अनियमित आपूर्ति, खराब गुणवत्ता मूल्यांकन और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण कटाई के बाद 35-40 प्रतिशत फल एवं सब्जियां नष्ट हो जाती हैं। संकट उत्पादन का नहीं, बल्कि रोके जा सकने वाले नुकसान का है। यह नुकसान किल्लत का नहीं, बल्कि पैदावार एवं उपभोग और आंकड़ों एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच के असंतुलन का नतीजा है। सालों से, गुणवत्ता और समय से जुड़ी विश्वसनीय एवं वास्तविक जानकारियों का अभाव भारतीय किसानों तथा नियामकों के लिए एक चुनौती बना हुआ है। जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन किया जाता है, तो यह इस खाई को पाटने का एक रास्ता खोलती है। जैविक वास्तविकता और आर्थिक निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच की यह खाई ही वह क्षेत्र है जहां व्यावहारिक एआई का खासा कारगर हो सकता है। क्यूजेंस लैब्स में, हमारा काम एक साधारण अवलोकन से शुरू हुआ: अब जबकि भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे ने भुगतान, पहचान और सेवाओं की आपूर्ति को पूरी तरह बदल दिया है, गुणवत्ता का आकलन करने के तरीके के मामले में खाद्य अर्थव्यवस्था काफी हद तक एनालॉग ही बनी हुई है। 'क्यूस्कैन' नाम की जो एआई-संचालित संवेदन प्रणाली हमने विकसित की है, वह फलों और सब्जियों में आंतरिक गुणवत्ता संबंधी संकेतों को पकड़ने हेतु अवरक्त (इंफ्रारेड) स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा कृत्रिम सूंघने की क्षमता (आर्टिफीशियल ओल्फैक्शन) का उपयोग करती है और उन्हें निर्णय लेने के समय उपयोगी जानकारियों में परिवर्तित करती है। इरादा स्वचालन को सिर्फ दिखावे की मंशा से लागू करना भर नहीं, बल्कि कम लाभ पर काम करने वाले उपभोक्ताओं, किसानों और खुदरा विक्रेताओं के लिए अनिश्चितताओं को कम करना था।इस अनुभव से यह बात स्पष्ट हो गई है कि एआई की प्रभावशीलता मूल रूप से संदर्भ पर निर्भर करती है। विदेशी आंकड़े (डेटासेट) या मानकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रशिक्षित मॉडल भारत की उन विविधता भरी परिस्थितियों में विफल हो जाते हैं, जहां फसलों की किस्में, जलवायु, भंडारण की पद्धतियां और बाजार की संरचनाएं विभिन्न क्षेत्रों में बिल्कुल ही अलग-अलग होती हैं। खासकर खाद्य प्रणालियों में, सटीकता को स्थानीयता से अलग नहीं किया जा सकता। भारतीय उपज, भारतीय लॉजिस्टिक्स और भारतीय व्यवहारिक मानदंडों को न समझने वाली एआई के लिए न्यूनतम रूप से अप्रासंगिक और अधिकतम रूप से भ्रामक होने का जोखिम होता है।इसीलिए संप्रभु एवं घरेलू जड़ों में निहित एआई पर वर्तमान नीतिगत जोर सामयिक और जरूरी, दोनों है। 'इंडियाएआई मिशन' कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति राज्य के दृष्टिकोण में एक स्पष्ट बदलाव का संकेत देता है - इसे रोजमर्रा की वास्तविकताओं से कटे एक अत्याधुनिक तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकासात्मक बुनियादी ढांचे के रूप में देखा जा रहा है। स्वदेशी एआई अनुप्रयोगों के लिए लक्षित वित्तपोषण, राष्ट्रीय कंप्यूटिंग क्षमता में निवेश, भारतीय डेटासेट के लिए समर्थन और क्षेत्र-विशिष्ट समाधानों को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों के जरिए, यह मिशन सक्रिय रूप से एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है जहां नवाचार स्थानीय जरूरतों पर आधारित है। स्वदेशी मॉडलों, स्टार्टअप और जनहित की परियोजनाओं का समर्थन करके, यह मिशन अन्य भौगोलिक क्षेत्रों से लिए गए एआई प्रणालियों के बजाय भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन की गई एआई प्रणालियों के लिए जगह बना रहा है।

खाद्य और कृषि के उदाहरणों से साफ होता है कि यह क्यों महत्वपूर्ण है। फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने से किसानों की आय, खाद्य पदार्थों की कीमतों और पर्यावरण से जुड़े नतीजों पर सीधा असर पड़ता है। बचाई गई उपज की प्रत्येक इकाई भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव को कम करती है, जोकि जलवायु परिवर्तन और जिम्मेदार उपभोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है। अक्सर व्यवहार में बदलाव या नए इनपुट की जरूरत वाले उपज बढ़ाने के उपायों के उलट, बेहतर गुणवत्ता मूल्यांकन समन्वय में सुधार करके बेहतर नतीजों को संभव बनाता है - जिससे प्रणाली सही समय पर कार्य करने में सक्षम होती है।समावेशन का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक हित में एआई का सदुपयोग तभी संभव है जब यह सिर्फ बड़े उद्यमों के बजाय छोटे व्यवसायों के लिए भी सुलभ हो। भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था में इसका आशय ऐसे उपकरणों से है जो अनौपचारिक बाजारों में काम करें, स्थानीय भाषाओं का समर्थन करें और मानवीय निर्णय को दरकिनार करने के बजाय उसका पूरक बनें।

(चिंतन-मनन) भगवान की नज़र में हर इनसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं।भगवान की नज़र में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया।साधु इससे नाराज हुए कि एक भीलनी उससे स्पर्श कर गयी। भगवान को यह बात अच्छी नहीं लगी। साधुओं को जात-पात के भेद-भाव की नासमझी को दूर करने के लिए भगवान ने एक लीला की।

परीक्षाएँ नहीं, सीखना है जीवन का लक्ष्य

प्रभाकर उपाध्याय

आज के समय में परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच अत्यधिक चिंता और तनाव का वातावरण देखने को मिलता है। अक्सर अंकों को ही सफलता का एकमात्र मापदंड मान लिया जाता है, जबकि वास्तविकता यह है कि परीक्षाएँ जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण मात्र हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भी परीक्षा पे चर्चा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि एक अवसर के रूप में देखा जाए। विद्यार्थियों को यह समझने की आवश्यकता है कि परीक्षा उनके ज्ञान, समझ और आत्मविश्वास को परखने का माध्यम है, न कि उनकी संपूर्ण क्षमता का अंतिम निर्णय। आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में केवल अच्छे अंक ही सफलता की गारंटी नहीं हैं। समय की मांग है कि विद्यार्थियों का ध्यान अंकों के साथ-साथ कौशल विकास पर भी केंद्रित हो। संचार कौशल, समस्या समाधान क्षमता, रचनात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और तकनीकी दक्षता जैसे जीवन कौशल विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। नई शिक्षा नीति और सीबीएसई भी अब इसी दिशा में कार्य करते हुए अनुभवात्मक शिक्षण, प्रोजेक्ट आधारित अधिगम और व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष बल दे रहे हैं। अभिभावकों और शिक्षकों की

जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को केवल अधिक अंक लाने के दबाव में न रखें, बल्कि उनकी रुचियों और क्षमताओं को पहचानकर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में सीखने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें। वास्तव में, अंक सफलता का एक हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन कौशल ही जीवन में स्थायी सफलता का आधार बनते हैं। परीक्षा के समय विद्यार्थियों पर सबसे अधिक प्रभाव घर और विद्यालय के वातावरण का पड़ता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों की तुलना अन्य विद्यार्थियों से न करें। तुलना से आत्मविश्वास कम होता है और तनाव बढ़ता है। इसके स्थान पर बच्चों को प्रोत्साहित करें, उनकी मेहनत की सराहना करें और सकारात्मक माहौल प्रदान करें।विद्यालयों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे केवल परीक्षा परिणाम पर ही ध्यान न दें, बल्कि बच्चों के समग्र विकास पर कार्य करें। खेल, योग, ध्यान और सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक संतुलन और एकाग्रता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आज के डिजिटल युग में विद्यार्थियों का काफी समय मोबाइल और सोशल मीडिया पर व्यतीत होता है, जो उनकी एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। परीक्षा के समय विशेष रूप से डिजिटल उपकरणों का सीमित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग आवश्यक है।

संतुलित दिनचर्या — पर्याप्त नींद, पौष्टिक आहार, नियमित अध्ययन, छोटे-छोटे ब्रेक, योग और ध्यान — विद्यार्थियों को तनावमुक्त और ऊर्जावान बनाए रखने में सहायक होती है।

नई शिक्षा नीति और सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली भी अब केवल रटने की प्रवृत्ति से आगे बढ़कर समझ, विश्लेषण, रचनात्मकता और व्यवहारिक ज्ञान पर जोर दे रही है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल अंक प्राप्त करने के बजाय विषय को समझने और जीवन में उसके उपयोग पर ध्यान देना चाहिए।जीवन में सफलता केवल परीक्षा के अंकों से तय नहीं होती। आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, अनुशासन और निरंतर सीखने की आदत ही वास्तविक सफलता की कुंजी हैं।विद्यार्थियों की सफलता के लिए अभिभावक, शिक्षक और विद्यालय के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। यदि तीनों मिलकर बच्चों का मार्गदर्शन करें, उन्हें प्रेरित करें और उनका मनोबल बढ़ाएँ, तो कोई भी चुनौती कठिन नहीं रह जाती।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही चल रही है, तो निश्चित सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे। आज कहीं भी यात्रा करने से पहले जरूरत का सामान लेना न भूले। आज आप अपने व्यक्तिगत मामलों पर ध्यान देंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा। आज आपको किसी रिश्तेदार के घर से बुलावा आएगा। आज अन्य गतिविधियों में व्यस्तता की वजह से आपका खुद का महत्वपूर्ण काम अधूरा रह सकता है।

मिथुन राशि : आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे। आज मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में समय बीतेगा। आज व्यावसायिक व्यवस्था को बनाए रखने में आपका योगदान जरूरी है।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा। आज अपने व्यस्त समय से कुछ समय धार्मिक व आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए जरूर निकालें, इससे आपकी मानसिक शांति बनी रहेगी।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज खर्चो की अधिकता रहेगी, लेकिन साथ ही आय के साधन बढ़ने से परेशानी नहीं होगी।

कन्या राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में अपनापन महसूस होगा। किसी कारण से पिताजी आपको नई जिम्मेदारी दे सकते हैं जिसे आप पूरी तरह निभाएंगे। जमीन जायदाद से जुड़े महत्वपूर्ण काम भी पूरे हो सकते हैं। आज आपको नई उपलब्धि मिलने के योग बन रहे हैं। घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी होगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी क्रिएटिविटी मजबूत होगी।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम बेहतर रहेगा। आपको किसी काम में मदद की जरूरत रहेगी, इस मामले में अच्छे दोस्त से सलाह मिल सकती है। पॉजिटिव नजरिए से जरूरी काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज निपटाने के नए तरीके भी आपको मिल सकते हैं। विद्यार्थी आज काम और पढ़ाई में बैलेंस बनाकर चलेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग आपकी सहायता करेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे, साथ ही आज किसी महत्वपूर्ण या राजनीतिज्ञ से मुलाकात फायदेमंद होगी। आज कारोबार में आपको फायदा होगा। इस राशि के ट्रेडिंग और बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष फलदायी है।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको किसी से उलझने से बचना चाहिए। आज आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

पैन इंडिया हिंदुत्व की राजनीति

अजीत द्विवेदी

राजनीतिक और सामाजिक बदलाव के लिहाज से यह बहुत दिलचस्प समय दिख रहा है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी पैन इंडिया हिंदुत्व की राजनीति को स्थापित करने की बेहद आक्रामक राजनीति कर रही है। उसने 80 और 20 वाली राजनीति को उत्तर प्रदेश की सीमा से निकाल कर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पूरे देश में आजमाने की राजनीति शुरू की है तो दूसरी ओर प्रादेशिक पार्टियों के पास इसकी काट के लिए सिर्फ भाषायी और क्षेत्रीय पहचान का मुद्दा दिख रहा है। कांग्रेस इस पूरे विमर्श से बाहर हो गई दिखती है। ऐसा लग रहा है कि उसको कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि किस वैचारिक धरातल पर अपनी राजनीतिक रणनीति बनाए।

तभी देश का राजनीतिक मुकाबला भाजपा बनाम प्रादेशिक पार्टियों का बनता जा रहा है। महाराष्ट्र में इसकी एक परीक्षा हुई है और भाजपा ने मराठी मानुष की पहचान की उद्धव और राज ठाकरे की राजनीति को बुरी तरह से परास्त किया। ध्यान रहे भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति के प्रत्युत्तर के तौर पर ही उद्धव ठाकरे ने मुंबई में कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी का साथ छोड़ा और राज ठाकरे से हाथ मिलाया। उद्धव नरम तो राज ठाकरे गरम राजनीति कर रहे थे। राज ठाकरे ने उत्तर और दक्षिण भारतीयों के खिलाफ जहर उगला तो गुजरातियों के खिलाफ भी जबरदस्त आक्रामकता दिखलाई। लेकिन चुनाव जीतने के लिहाज से यह राजनीति कम पड़ गई। मुंबई में तो फिर भी उद्धव ठाकरे की जमीन कुछ बची लेकिन वहां से बाहर उनकी पार्टी पूरी तरह से साफ हो गई। बृहन्नमुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी के चुनाव से भाषायी और क्षेत्रीय पहचान की राजनीति की सीमाएं उजागर हुई हैं। हालांकि मुंबई या किसी अन्य महानगर में पहचान की राजनीति की विफलता के आधार पर यह नहीं माना जा सकता है कि पूरे प्रदेश में यह राजनीति विफल हो जाएगी। इसका कारण यह है कि महानगरों की जनसंख्या संरचना काफी बदल गई है। मुंबई जैसे महानगर में 25 फीसदी के करीब आबादी उत्तर भारतीयों की है। लेकिन अगर पूरे महाराष्ट्र में मराठी अस्मिता के आधार पर चुनाव हो तो नतीजे अलग हो सकते हैं। तभी भाजपा भी मराठी और हिंदुत्व दोनों अस्मिताओं को एक साथ लेकर चलती है।

बहरहाल, इस राजनीति की पड़ताल अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में होने वाली है। ये पांचों राज्य भाषायी और क्षेत्रीय पहचान की राजनीति वाले राज्य हैं। पश्चिम बंगाल में बांग्ला अस्मिता का मुद्दा है तो असम में भाषा और संस्कृति दोनों राजनीतिक संघर्ष का विषय बने हैं। उधर तमिलनाडु में भाषायी और क्षेत्रीय दोनों अस्मिता का मुद्दा है तो केरल में अब जाकर सत्तारूढ़ लेफ्ट पार्टी ने मलयालम भाषा की अस्मिता को राजनीति में आजमाने का फैसला किया है। राज्य की लेफ्ट मोर्चा की सरकार ने केंद्र सरकार की ओर से हिंदी थोपे जाने का मुद्दा उठाया है और मलयालम भाषा बिल पेश किया है, जिसका मकसद मलयालम को नंबर एक और पहली भाषा बनाना है। हालांकि इसे लेकर हिंदी की बजाय कन्नड़ से उसका टकराव शुरू हो गया है। कर्नाटक से लगती सीमा के पास बड़ा इलाका ऐसा है, जहां केरल के लोग कन्नड़ बोलते हैं। खैर यह स्थानीय मामला है, जिसे वही के स्तर पर सुलझाया जाएगा। लेकिन केरल में मलयालम भाषा का मुद्दा बनना यह दिखाता है कि पहचान की राजनीति किस दौर में पहुंच गई है और भाजपा के हिंदुत्व व विकास के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए पार्टियां किस हद तक इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भाजपा की बढ़ती ताकत से आशंकित हैं। इसलिए वे भाजपा के हिंदुत्व और विकास के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए इस बार सिर्फ बांग्ला भाषा, अस्मिता व संस्कृति के नैरेटिव पर भरोसा नहीं कर रही हैं, बल्कि उसमें हिंदुत्व का तड़का भी लगा रही हैं। उन्होंने बुनियादी रूप से बांग्ला अस्मिता का मुद्दा बनाया है और बांग्ला भाषियों पर दूसरे राज्यों में हो रहे कथित उत्पीड़न को बार बार उठा रही हैं। लेकिन उनको इसकी सीमा का पता है क्योंकि यह मुद्दा उठाने के बावजूद पिछले सात-आठ साल में भाजपा 40 फीसदी वोट तक पहुंच गई है और यह बात ममता बनर्जी को चिंता में डाले हुए है। इसलिए उन्होंने इस बार हिंदुत्व का मुद्दा उसमें जोड़ दिया है।

उन्होंने न्यू कोलकाता टाउन में दुर्गा आंगन की नींव रखी है, जहां सरकार 332 करोड़ रुपए में सबसे बड़ा दुर्गा मंदिर बनवाएगी। इसी तरह सिलिगुड़ी में सबसे बड़े महाकाल मंदिर की नींव उन्होंने रखी। इस मंदिर पर करीब चार सौ करोड़ रुपए सरकार खर्च करेगी। इसकी नींव रखते हुए ममता ने जितनी बार 'हर हर महादेव' और 'रक्षा करो महादेव' के नारे लगाए उससे नरेंद्र मोदी के काशी में दिए जाने वाले भाषण याद आ गए। इससे पहले ममता दीघा में जगन्नाथ धाम बनवा चुकी हैं। उन्होंने दुर्गापूजा में पंडालों को पहले से ज्यादा पैसे बांटे हैं। सो, वे भाषायी और सांस्कृतिक अस्मिता के साथ हिंदुत्व का मुद्दा जोड़ रही हैं ताकि भाजपा का मुकाबला कर सकें। भाजपा महाराष्ट्र और गुजरात में ऐसे चुनाव लड़ती है। उधर एमके स्टालिन पूरी तरह से भाषायी और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे पर भाजपा से टक्कर लेते दिख रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि उनके प्रदेश की भौगोलिक स्थिति पश्चिम बंगाल से भिन्न है और जनसंख्या संरचना भी उससे अलग है। बंगाल से शेष भारत की भौगोलिक दूरी कभी भी वैसी नहीं रही है, जैसे विंध्य पार के राज्यों की है और ऊपर से बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी होने की वजह से ममता की मुश्किलें स्टालिन के मुकाबले ज्यादा हैं। बहरहाल, स्टालिन पूरी तरह से तमिल अस्मिता और भौगोलिक विभाजन पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका जवाब देने के लिए भाजपा के पास सीधे कोई मुद्दा नहीं है और इसलिए उसने अन्ना डीएमके से तालमेल करके उसको आगे किया। भाजपा का कुछ काम नई बनी पार्टी के नेता विजय भी कर सकते हैं। फिर भी बाकी राज्यों के मुकाबले तमिलनाडु का मामला अलग है। वहां भाजपा के पास भाषायी और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे का जवाब नहीं है।

मोदी आर्काइव' ने साझा किया पीएम मोदी का 2006 का प्रेरक वीडियो, युवाओं को दी हार न मानने की सीख

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका के सोलहवें राष्ट्रपति और द ग्रेट लिबरेटर नाम से प्रख्यात अब्राहम लिंकन की जयंती गुरुवार को है। लिंकन

केवल अमेरिका के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में लोकतंत्र, समानता और मानवाधिकारों के प्रतीक माने जाते हैं। साधारण परिवार में जन्म लेने वाले लिंकन ने अपने संघर्ष, ईमानदारी और दृढ़ निश्चय के बल पर इतिहास में अमिट स्थान बनाया। द ग्रेट लिबरेटर नाम से प्रख्यात अब्राहम लिंकन की जयंती के अवसर पर मोदी आर्काइव नामक अकाउंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पुराना वीडियो जारी किया। यह वीडियो वर्ष 2006 का है। यह वीडियो उस समय का है, जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और उन्होंने निरमा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित किया था। यह भाषण आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत माना जा रहा है। मोदी आर्काइव के अनुसार, उन्होंने एक शानदार भाषण दिया था, जिसमें अब्राहम लिंकन के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए युवाओं को धैर्य, साहस और निरंतर प्रयास का संदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि जिन्होंने अब्राहम लिंकन के जीवन को पढ़ा है, वे जानते हैं कि उनके सार्वजनिक जीवन के शुरुआती लगभग तीस वर्ष निराशा और असफलताओं से भरे रहे।

उन्होंने कहा, अब्राहम लिंकन कई चुनाव हारे, यहां तक कि अपने गांव की पंचायत का चुनाव भी नहीं जीत सके। व्यापार में भी उन्हें असफलता मिली और कई बार कर्ज का सामना करना पड़ा। जीवन के हर क्षेत्र में विफलताओं के बावजूद अब्राहम लिंकन ने हार नहीं मानी। वे निरंतर प्रयास करते रहे, संघर्ष करते रहे और अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते रहे। अंततः एक समय ऐसा आया जब उन्हें पहली बार बड़ी सफलता मिली और वे अमेरिका के राष्ट्रपति बने। यह सफलता केवल एक पद प्राप्त करने की कहानी नहीं थी, बल्कि धैर्य, समर्पण और अडिग संकल्प की जीत थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में युवाओं से आह्वान किया था कि यदि कोई व्यक्ति तीन दशकों तक लगातार असफलताओं का सामना करने के बावजूद अपने जीवन को बदल सकता है, तो हम भी उससे प्रेरणा ले सकते हैं। उन्होंने कहा था कि निराशा और हताशा जीवन का अंत नहीं, बल्कि नई शुरुआत का अवसर होती है।

राज्यसभा में बोले खड़गे, सामाजिक न्याय केवल नारा नहीं, संविधान की आत्मा है

नई दिल्ली (आरएनएस)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जातिगत भेदभाव का मुद्दा उठाया। सदन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम अक्सर दलितों, वंचितों और कमजोर वर्गों के उत्थान

की बात करते हैं। अब समय है कि इन बातों को जमीन पर उतारने की ठोस पहल की जाए। सामाजिक न्याय केवल नारा नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्यसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इक्कीसवीं सदी में, जब हम सामाजिक विकास, सुधार और एकता की बातें करते हैं, तब ओडिशा की एक घटना हमें आईना दिखाती है। वहां एक आंगनवाड़ी केंद्र में सिर्फ इसलिए तीन महीनों से बहिष्कार चल रहा है क्योंकि भोजन एक दलित महिला हेल्पर और कुक द्वारा तैयार किया जा रहा है। समुदाय विशेष के कुछ लोग अपने बच्चों को वह भोजन देने से मना कर रहे हैं। यह सिर्फ एक महिला का अपमान नहीं है, बल्कि हमारे संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक चेतना की भी परीक्षा है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद गंभीर विषय है, जिस पर वह सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की बुनियाद होते हैं। अगर वहां जातिगत पूर्वाग्रह और भेदभाव की दीवार खड़ी कर दी जाएगी, तो उसका सीधा असर बच्चों के मन और उनके भविष्य पर पड़ेगा। छोटे-छोटे बच्चों के सामने जब इस तरह का भेदभाव होता है, तो अनजाने में उनके भीतर भी विभाजन और नफरत के बीज बो दिए जाते हैं।

कानपुर लेम्बोर्गिनी हादसा: तंबाकू कारोबारी के बेटे शिवम मिश्रा को चंद घंटों में मिली जमानत, गिरफ्तारी में लगे थे 4 दिन

कानपुर (आरएनएस)। शहर के चर्चित और हाई-प्रोफाइल लेम्बोर्गिनी एक्सीडेंट मामले में गुरुवार को बड़ा नाटकीय मोड़ आया। पुलिस ने हादसे के मुख्य आरोपी और मशहूर तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, गिरफ्तारी के महज कुछ ही घंटों बाद उसे कोर्ट से जमानत भी मिल गई। कुल मिलाकर आरोपी करीब 7 घंटे तक पुलिस की हिरासत में रहा। रविवार को हुई इस घटना के बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी।

कोर्ट में बीमारी की हालत में पहुंचा आरोपी

गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस शिवम मिश्रा को न्यायालय में पेश करने ले गई, तो वह काफी बीमार नजर आ रहा था। उसके हाथ में वीगो (ड्रिप लगाने के लिए कैनुला) लगी हुई थी और वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा था। पुलिसकर्मी और उसके रिश्तेदार उसे सहारा देते हुए कोर्ट रूम तक ले गए। बताया जा रहा है कि शिवम के साथ दिल्ली से आए एक फैमिली डॉक्टर भी मौजूद थे। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के

बाद उसे जमानत दे दी।

पुलिस ने बनाई थीं 5 टीमें, कानपुर से हुई गिरफ्तारी

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने पूरी ताकत झोंक दी थी और पांच विशेष टीमें गठित की गई थीं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शिवम मिश्रा कानपुर में ही मौजूद है। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए टीमों ने घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उसे कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए अदालत में पेश किया गया।

क्या था पूरा मामला?

यह पूरा घटनाक्रम रविवार दोपहर का है, जब ग्वालटोली क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड पर एक तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी कार ने कहर बरपाया था। अनियंत्रित कार ने पहले एक ऑटो और फिर एक बुलेट सवार को जोरदार टक्कर मारी थी, जिसके बाद वह फुटपाथ पर चढ़ गई। इस हादसे में चार लोग घायल हो गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद लेम्बोर्गिनी के पीछे चल रही एक अन्य कार से आए सुरक्षाकर्मियों ने चालक को वहां से निकालने का प्रयास किया था, जिसे लेकर मौके पर मौजूद लोगों में काफी आक्रोश फैल गया था। भीड़ ने कार का शीशा तोड़कर चालक को बाहर निकाला था।

दौरा पड़ने का किया था दावा

हादसे के बाद बचाव पक्ष की ओर से यह दलील दी गई थी कि चालक को अचानक दौरा पड़ गया था, जिस वजह से कार से नियंत्रण खो गया। हालांकि, पुलिस की अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि घटना के समय कार शिवम मिश्रा ही चला रहा था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी पर आजीवन चुनाव प्रतिबंध की मांग, निशिकांत दुबे ने लोकसभा में प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा के बजट सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर सियासी विवाद गहरा गया है। बुधवार (11 फरवरी) को राहुल गांधी ने सदन में सरकार पर भारत माता को बेचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। इसी मुद्दे को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में राहुल गांधी के खिलाफ एक प्रस्ताव (मोशन) पेश करने की बात कही है। दुबे ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं और उन्होंने अपने प्रस्ताव में इस मामले पर चर्चा कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त करने और उन्हें आजीवन चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की मांग भी उठाई है। निशिकांत दुबे ने बयान में कहा कि उनका आरोप है कि राहुल गांधी कथित तौर पर बाहरी ताकतों की मदद से देश में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उनके इस कदम से संसद में सियासी माहौल और गर्म हो गया है।वहीं, कांग्रेस की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे किसानों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि कई श्रमिक संगठन हड़ताल पर हैं और कांग्रेस उनका समर्थन कर रही है। राहुल गांधी पर संभावित कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ एफआईआर या केस किए जा सकते हैं, लेकिन इससे उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में सिक्किम राज्य से अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे पत्रकारों के दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ को लेकर ढेर सारी बातें साझा की।

शर्मनाक: 'मां-बाप की मौत पर भी नहीं आए विदेश गए कई युवा', राज्यसभा में भाजपा सांसद ने दिया सुझाव

नई दिल्ली (आरएनएस)। राज्यसभा में एक बेहद मानवीय विषय रखा गया। इसके तहत सुझाव दिया गया कि विदेश जाने वाले लोगों से एफिडेविट लिए जाएं। इस एफिडेविट के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि विदेश जाने वाले युवा अपने माता-पिता की देखभाल करेंगे और उनसे नियमित संपर्क बनाए रखेंगे।

राज्यसभा में बताया गया कि हाल ही में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां विदेश में रह रहे युवाओं ने बुजुर्ग माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखा। यहां तक कि भारत में रह रहे माता-पिता की मृत्यु होने पर भी वे नहीं आए। भाजपा सांसद राधा मोहनदास अग्रवाल ने राज्यसभा में यह विषय रखा। उन्होंने विदेश में रहने वाले बच्चों के माता-पिता की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए बताया कि देश के करीब साढ़े तीन करोड़ लोग विदेशों में रहते हैं और उन लोगों में से बड़ी संख्या है, जिनके माता-पिता भारत में हैं। कई बार माता-पिता अपनी जमीन-जायदाद बेचकर, सुख त्यागकर अपने बच्चों को विदेश पढ़ने या नौकरी करने भेजते हैं।

राधा मोहनदास अग्रवाल ने सदन को बताया कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां विदेश में रहने वाले बच्चों ने अपने माता-पिता की देखभाल

नहीं की। उन्होंने इंदौर और दिल्ली की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि कुछ माता-पिता की मृत्यु के बाद भी उनके बच्चे वापस नहीं आए, जिससे उनका अंतिम समय अकेलेपन में बीता। सरकारी कानून, जैसे मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजन एक्ट, 2007, अभी भी पूरी तरह प्रभावी नहीं है।उन्होंने राज्यसभा में सुझाव दिया कि विदेश जाने वाले लोगों से एफिडेविट लिया जाए, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाए कि वे अपने माता-पिता की देखभाल करेंगे, हेल्थ इंश्योरेंस करेंगे और नियमित संपर्क बनाए रखेंगे। भाजपा सांसद ने यह भी कहा कि अगर ऐसा प्रमाण हर छह महीने में नहीं मिलता, तो भारत सरकार को उनके पासपोर्ट निरस्त करने और उन्हें वापस बुलाने का अधिकार होना चाहिए।अग्रवाल ने सदन से आग्रह किया कि इस मुद्दे को गंभीरता से देखा जाए ताकि देश के वरिष्ठ नागरिकों को अकेलेपन और अनदेखी का सामना न करना पड़े। जो लोग विदेशों में जाकर रहते हैं, उनके मां-बाप, सास-ससुर भारत में रहते हैं। उन्होंने बताया कि ये लोग जो बाहर विदेशों में पढ़ने गए या नौकरियां कर रहे हैं, ऐसा नहीं है कि वो सिर्फ अपनी योग्यता के आधार पर गए हैं। मां-बाप अपना पेट काटकर, अपना सुख त्याग करके और कभी-कभी विदेश भेजने के लिए अपनी जमीन-जायजाद बेचकर उनके विदेश जाने की व्यवस्था करते हैं। वो इतने शिक्षित हुए हैं। इसमें कई बार सरकार द्वारा दी जाने वाली सस्ती शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था का भी योगदान होता है।

बापू ने बचा लिया! नाबालिग से रेप के दोषी की उम्रकैद 12 साल में बदली, बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

मुंबई ,12 फरवरी (आरएनएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के दोषी की उम्रकैद की सजा को घटाकर 12 साल कर दिया है। अदालत ने यह नरमी दोषी की कम उम्र, लंबे समय तक जेल में बिताए गए वक्त और वहां उसके आचरण में आए सुधार को देखते हुए बरती है। खास बात यह है कि दोषी ने जेल में रहते हुए महात्मा गांधी के विचारों पर आधारित निबंध प्रतियोगिता और अध्ययन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था, जिसे कोर्ट ने उसके सुधरने का एक सकारात्मक संकेत माना है।

POCSO कोर्ट के फैसले को दी थी चुनौती

जस्टिस सारंग कोटवाल और जस्टिस संदेश पाटिल की खंडपीठ ने 2 फरवरी को दिए अपने आदेश में साल 2016 में हुए इस अपराध के लिए दोषी की सजा को बरकरार तो रखा, लेकिन उसकी अवधि को कम कर दिया। दोषी ने विशेष पॉक्सो (क्कह्रष्टस्ह्र) अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने पाया कि अपराध के वक्त दोषी की उम्र महज 20 साल थी और उसका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं था। वह दिसंबर 2016 से लगातार हिरासत में है और यहां तक कि कोरोना महामारी के दौरान भी उसे पैरोल या रिहाई नहीं मिली थी।

पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की मुश्किलें 'डबल', अब बेटे रनिंदर को ईडी ने भेजा समन; पूछताछ के लिए किया तलब

जालंधर, (आरएनएस)। पंजाब की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और उनके बेटे रनिंदर सिंह के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के तहत कार्रवाई तेज कर दी है। केंद्रीय एजेंसी ने पिता-पुत्र को विदेशी संपत्तियों के मालिकाना हक और कथित अवैध लेनदेन के मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। ईडी ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को आज, गुरुवार (12 फरवरी 2026) को अपने जालंधर स्थित आंचलिक कार्यालय में पेश होने का आदेश दिया था, जबकि उनके बेटे रनिंदर सिंह को कल यानी शुक्रवार (13 फरवरी 2026) को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

अस्पताल में भर्ती हैं कैप्टन, मिलेगी नई तारीख

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह आज ईडी के समक्ष पेश नहीं हो पाएंगे। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य कारणों के चलते उन्हें हाल ही में मोहाली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिस वजह से वे जालंधर नहीं आ सकते। माना जा रहा है कि उनकी लीगल टीम ईडी को उनकी मेडिकल स्थिति की जानकारी देगी, जिसके बाद एजेंसी उन्हें अपना बयान दर्ज कराने के लिए कोई नई तारीख दे सकती है। हालांकि, रनिंदर सिंह के कल पेश होने को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन एजेंसी की यह कार्रवाई पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के सितंबर 2025 के उस आदेश के बाद हो रही है, जिसमें कोर्ट ने ईडी की जांच रोकने की उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया था।यह पूरा मामला साल 2011 में फ्रांस सरकार द्वारा भारत को दी गई खुफिया वित्तीय जानकारी से जुड़ा है। आरोपों के मुताबिक, अमरिंदर सिंह और उनका परिवार विदेशी व्यापारिक संस्थाओं (Trusts) के जरिए विदेशों में संपत्तियां होल्ड करते हैं और वे स्विट्जरलैंड के बैंक खातों के लाभार्थी (Beneficiary) हैं। साल 2016 में आयकर विभाग ने भी इस मामले में जांच और छापेमारी की थी, जिसमें विदेशी संपत्तियों के सुराग मिले थे।

एक्टर राजपाल तिहाड़ जेल नंबर 2 में काट रहे सजा, गैंगस्टर छोटा राजन भी इसी बैरक में थे

-सख्त सुरक्षा के चलते किसी को भी उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा

नई दिल्ली,(ए)। बॉलीवुड कॉमेडियन राजपाल यादव इन दिनों तिहाड़ जेल में हैं। एक्टर को करीब 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने ये सजा सुनाई है, जिसके बाद उन्हें जेल जाना पड़ा। जेल की सलाखों के पीछे राजपाल यादव को अब बॉलीवुड की मदद मिल रही है, लेकिन फिलहाल तो वह आम कैदी की तरह तिहाड़ की जेल नंबर 2 में वक्त काट रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि राजपाल यादव को

तिहाड़ जेल में कोई वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं दिया जा रहा है। ये वहीं जेल नंबर 2 है और उस बैरक में हैं, जहां कभी छोटा राजन और नीरज बवाना जैसे गैंगस्टर्स को रखा गया था। बताया जाता है कि राजपाल भी ज्यादातर वक्त शांत रहते हैं और कानूनी प्रक्रिया पर ध्यान दे रहे हैं। तिहाड़ एशिया की सबसे बड़ी जेलों में गिनी जाती है और यहां कैदियों के लिए तय नियम बेहद सख्त होते हैं। किसी भी बंदी की तरह राजपाल को भी जेल मैनुअल के मुताबिक ही रहना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक सुबह ठीक 6 बजे राजपाल बैरक से बाहर आते हैं, जहां उन्हें नित्य क्रिया के बाद चाय और नाश्ता दिया जाता है।

अब मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में भी सीट पर मिलेगा भोजन, रेलवे ने शुरु की ई-पैंट्री सेवा

यात्री पसंदीदा भोजन टिकट बुकिंग के समय या बाद में ऑनलाइन बुक कर सकते हैं

नई दिल्ली,(ए.)। भारतीय रेलवे यात्रियों के खान-पान को और बेहतर बनाने के लिए ई-पैंट्री नाम से एक नई ऑनलाइन भोजन बुकिंग सेवा शुरू की है। यह सुविधा 25 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में उपलब्ध कराई गई है, जिससे यात्री अपनी पसंद का भोजन टिकट बुकिंग के समय या बाद में ऑनलाइन ही बुक कर सकते हैं और ट्रेन में उनकी सीट पर ही भोजन मिल जाएगा। ई-पैंट्री सर्काविस लक्ष्य यात्रा को ज्यादा सुविधाजनक, साफ-सुथरा बनाना है। पहले यात्रियों को स्टेशन पर उतरकर खाना खरीदना पड़ता था या वेंडरों पर निर्भर रहना होता था, लेकिन अब इस नई

डिजिटल सेवा से टिकट बुक करते समय या बाद में आईआरसीटीसी की वेबसाइट/ऐप पर आप भोजन और पानी को पहले से बुक कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुकिंग के बाद आपको एक मेल वेरीफिकेशन कोड मिलता है, जिसे यात्रा के दिन साझा करने पर भोजन सीधे आपकी सीट पर डिलीवर किया जाता है। यह सेवा उन ट्रेनों के लिए खास है जिनमें टिकट में भोजन शामिल नहीं होता, जिसमें अगर भोजन नहीं मिला तो रिफंड भी मिलता है। ई-पैंट्री सेवा को शुरुआत में 25 प्रमुख मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में लागू किया गया है। इसमें ऐसे लंबे रास्तों वाली ट्रेनें शामिल हैं जिनमें यात्रियों को खाने-पीने की जरूरत ज्यादा होती है। जल्द ही अन्य ट्रेनों में भी फीडबैक के आधार पर इसे शुरू किया जाएगा।

बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में उतरीं फातिमा सना शेख, दिखाया फुल पावर अवतार

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्मों और सोशल मीडिया पोस्ट से दर्शकों का खास ध्यान खींचती हैं। उन्होंने मंगलवार को एक मजेदार पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि कुछ में वे रिंग के अंदर आत्मविश्वास से भरे पोज देती दिख रही हैं। उनका पूरा लुक काफी पावरफुल और एनर्जेटिक लग रहा है, लेकिन अभिनेत्री की आखिरी स्लाइड काफी मजेदार है, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग के महान खिलाड़ी अमेरिका के प्रोफेशनल बॉक्सिंग चैंपियन मोहम्मद अली की एक आइकॉनिक तस्वीर लगाई है। अभिनेत्री ने लिखा, तितली की तरह हल्के रहो, और मधुमक्खी की तरह वार करो, मुहम्मद।

फातिम ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ अपनी फिटनेस को दर्शाया है बल्कि मोहम्मद अली के इंस्पिरेशन कोट्स को भी दिखाया है। अभिनेत्री का पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कयास लगा रहे हैं कि आने वाली फिल्म में शायद वे बॉक्सिंग की भूमिका में होंगी।

1997 में फिल्म चाची 420 में बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली फातिमा सना ने बॉलीवुड में कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें लूडो, अजीब दास्तां, और सैम बहादुर शामिल हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं, जो मोटिवेशनल और मजेदार होते हैं।

शालिनी पांडे की सीरीज बैंडवाले का ट्रेलर जारी, डीजे साइको बनकर छाए जहान कपूर

प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी म्यूजिकल ड्रामेडी सीरीज बैंडवाले का दिल छू लेने वाला ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। यह प्राइम ओरिजिनल सीरीज अंकुर तिवारी और स्वानंद किरकिरे द्वारा लिखी और तैयार की गई है, जबकि निर्देशन अक्षत वर्मा और अंकुर तिवारी ने किया है। सीरीज का निर्माण ओएमएल एंटरटेनमेंट कर रहा है। कहानी में संगीत एक केंद्रीय भूमिका निभाता है, जिसमें यशराज मुखाटे की ओरिजिनल रचनाएं शामिल हैं, जो उनके पहले लॉन्ग फॉर्मेट सीरीज की रचना होगी. कौसर मुनिर की खूबसूरत कविताएं कहानी की भावनात्मक गहराई को और निखारती हैं। ट्रेलर एक ऐसी कहानी का स्वर स्थापित करता है जो रचनात्मकता, दोस्ती और शांत बगावत पर आधारित है, और छोटे शहर के सपने देखने वालों की भावनात्मक धड़कन को पकड़ता है, जो अपनी आवाज़ ढूंढ रहे हैं। रतलाम के बीचों-बीच सिथ्त, बैंडवाले में मरियम नाम की एक युवा कवियत्री की कहानी है, जो अपनी पहचान, आज़ादी और अपनेपन के सवालों से जूझते हुए बिना नाम बताए अपनी रचनाएँ ऑनलाइन शेयर करना शुरू करती है। जहान कपूर ने अपने किरदार को लेकर कहा, उसकी यात्रा रोबो और डीजे सायको के साथ आगे बढ़ती है, जहां तीनों संगीत, हास्य और साझा महत्वाकांक्षा पर भरोसा करते हुए अपने हालात से परे जीवन की कल्पना करते है। ट्रेलर उनके आपसी

रिश्ते, रचनात्मक बेचैनी और उस नाज़ुक आशा की झलक दिखाता है कि कला न केवल निकलने का रास्ता बन सकती है, बल्कि आगे बढ़ने का मार्ग भी। संगीत कहानी के भावनात्मक पहलू को आगे बढ़ाता है और स्वयं कथा का एक अभिन्न हिस्सा बन जाता है।डीजे सायको कुछ हद तक रहस्यपूर्ण किरदार है, रतलाम में हर तरह के अजीबो -गरीब काम करता है, वह गहराई से महसूस करता है लेकिन अपनी भावनाओं को बीट्स और साउंड के ज़रिए सहयोगात्मक संगीत में व्यक्त करता है, वह हमेशा लो प्रोफ़ाइल में रहकर काम पर ध्यान देने की कोशिश करता है, लेकिन तब तक जब तक वह मरियम से नहीं मिलता, और बेशक रोबो से भी। वह उनके जीवन में पूरी तरह शामिल हो जाता है, और उसका पिछला जीवन कोने में किसी छाया की तरह मंडराता रहता है। उन्होंने कहा, उसे निभाना मेरे लिए बेहद मुक्तिदायक अनुभव था क्योंकि इसने मुझे संगीत और साउंड डिज़ाइन से जुड़े नए भावनाओं और रिश्तों का पता लगाने की अनुमति दी। अंकुर तिवारी, स्वानंद किरकिरे, अक्षत वर्मा और प्राइम वीडियो व ओएमएल द्वारा तैयार की गई पूरी टीम के साथ काम करना वास्तव में एक समृद्ध अनुभव रहा। शालिनी पांडे ने कहा, मरियम वह व्यक्ति है जो लगातार अपने भीतर की भावनाओं और दुनिया की उससे अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती है। कविता उसके लिए सबसे ईमानदार अभिव्यक्ति का माध्यम बन जाती है, एक ऐसा स्थान जहाँ वह बिना डर या अनुमति के अपने आप को सहज रूप में व्यक्त कर सकती है। उसे निभाना मेरे लिए एक बेहद व्यक्तिगत यात्रा रही, जिसमें मैंने मौन, संयम और अपनी आवाज़ को धीरे-धीरे खोजने के साहस को समझा। बैंडवाले में मुख्य भूमिकाओं में शालिनी पांडे, ज़हान कपूर, स्वानंद किरकिरे, संजना दीपू, आशिष विद्यार्थी, और अनुपमा कुमार शामिल हैं।

नाना पाटेकर ने 102 डिग्री बुखार के बावजूद पूरी की ओ रोमियो की हाई एक्शन शूटिंग

वरिष्ठ अभिनेता नाना पाटेकर भारतीय सिनेमा के उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें उनकी मेहनत, लगन और प्रोफेशनलिज्म के लिए जाना जाता है। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चाओं में हैं। वह अपने काम को लेकर कितने प्रतिबद्ध हैं, ये फिल्म के निर्माताओं ने खुद बताया। फिल्म ओ रोमियो का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है।

फिल्म में एक एक्शन सीन है, जिसे ट्रेन के सेट पर शूट किया गया। विशाल भारद्वाज ने बताया कि इस दौरान नाना पाटेकर को तेज बुखार था। वह 102 डिग्री के बुखार से तप रहे थे। पूरी टीम इस बात को लेकर चिंतित थी। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी। उन्होंने आगे कहा, लेकिन नाना पाटेकर ने शूटिंग जारी रखने का फैसला किया।

वह नहीं चाहते कि उनके कारण शूटिंग कैंसिल हो। उन्होंने लगातार चार घंटे तक उस सीन की शूटिंग पूरी की। फिल्म का पहला गाना इश्क का फीवर पहले ही रिलीज हो चुका है। इसे सुपरस्टार सिंगर अरिजीत सिंह ने गाया है और विशाल भारद्वाज ने कम्पोज किया है, जबकि बोल गुलजार ने लिखे हैं। गाना रोमांटिक है, और इसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की खूबसूरत केमिस्ट्री नजर आ रही है।फिल्म ओ रोमियो की बात करें तो, इसमें नाना पाटेकर, शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसी प्रमुख हस्तियां हैं। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई पर आधारित है। फिल्म में शाहिद ने एक माफिया डॉन हुसैन उस्तरा का रोल किया है।

आयशा शर्मा की क्रिएटिव यात्रा में नया मोड़: अब बनीं लेखिका भी अभिनेत्री

आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज़ बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं—एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। उम्मीद है यह किताब आपको तब मिले जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। और जब मिले, तो आपको ऐसा महसूस हो जैसे किसी ने चुपचाप आपको गले लगा लिया हो। मेरे पास सारे जवाब नहीं हैं, लेकिन अगर मेरी लिखी बातों में आपको लगे कि 'ये तो वही एहसास है जिसे मैं हमेशा महसूस करती थी, पर शब्द नहीं दे पाती थी, तो मेरे लिए वही काफी है।

आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखन—तीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

हाथों में गन, इंटेंस आंखें, यश की टॉक्सिक से तारा सुतारिया का फर्स्ट लुक आउट, एक्शन अवतार में ये रोल करेंगी एक्ट्रेस

कन्नड़ सुपरस्टार यश स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक अपने रिलीज ईयर में आ चुकी है. फिल्म मार्च 2026 में रिलीज होगी और फिल्म से एक के बाद एक हसीनाओं के फर्स्ट लुक सामने आ रहे हैं. कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और नयनतारा के बाद अब फिल्म से तारा सुतारिया का भी फर्स्ट लुक सामने आया है. टॉक्सिक के मेकर्स ने तारा सुतारिया का एक अवतार में फर्स्ट लुक साझा किया है. जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे फिल्म की एक्ट्रेस के फर्स्ट लुक भी सामने आ रहे हैं. चलिए जानते हैं फिल्म टॉक्सिक में तारा सुतारिया का क्या रोल होगा.गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनने वाली फिल्म टॉक्सिक से आए तारा सुतारिया के फर्स्ट लुक की बात करें तो वह ऑफ शॉल्डर डार्क ड्रेस में हाथ में गन लिए दिख रही हैं. शोल्डर कट हेयर स्टाइल और आंखों में टागरेट लिए तारा का इंटेंस लुक काफी इंप्रेसिव दिख रहा है. तारा फिल्म टॉक्सिक में रेबेका का रोल करने जा रही हैं. इस हिसाब से टॉक्सिक एक मास एक्शन फिल्म बनने जा रही है. इससे पहले फिल्म से नयनतारा का डैशिंग फर्स्ट लुक आया था. फिल्म में नयनतारा का रोल गंगा नामक लड़की का होगा. वहीं, हुमा कुरैशी एलिजाबेथ और कियारा आडवाणी नाडिया के रोल में होंगी. टॉक्सिक से आए इन चारों एक्ट्रेस के रोल काफी इंटरेस्टिंग, सरप्राइजिंग और मिस्टीरियस हैं.

फिल्म टॉक्सिक की बात करें तो इसे यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है. फिल्म का निर्देशन गीतू ने किया है. फिल्म के निर्माता वेंकट नारायण और यश हैं. फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हुई है, वहीं हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और भी कई भाषाओं में डब होगी.

री-रिलीज होगा नागा चैतन्य-साई पल्लवी की लव स्टोरी, 14 फरवरी को फिर से सिनेमाघरों में देगी दस्तक

नागा चैतन्य की लव स्टोरी उनके शानदार करियर में एक यादगार मील का पत्थर बनी हुई है। उन्होंने ग्रामीण तेलंगाना के एक जोशीले लोक डांसर का किरदार निभाया, जिसने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। डायरेक्टर शेखर कम्मुला की शानदार कहानी कहने की कला और चैतन्य की इमोशनल परफॉर्मेंस ने फिल्म को एक क्लासिक बना दिया।

साई पल्लवी ने लीड एक्ट्रेस के तौर पर बेहतरीन काम किया, और उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने प्यार की एक ऐसी कहानी बनाई जो जाति और वर्ग के भेदभाव से ऊपर है। शेखर कम्मुला द्वारा ग्रामीण तेलंगाना के जीवन का असली चित्रण कहानी में और गहराई लाया। फिल्म के साउंडट्रैक, जिसमें नी चित्रम चूसी और सारंगा दरिया जैसे हिट गाने शामिल हैं, ने इसके इमोशनल असर को और बढ़ा दिया।

दरवाजों और खिड़कियों में दरारें आ गई हैं? इन तरीकों से उन्हें करें ठीक

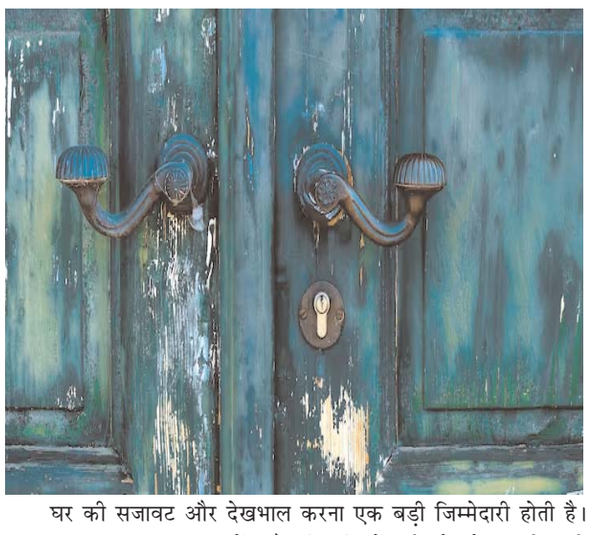

घर की सजावट और देखभाल करना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। खासकर अगर बात दरवाजों और खिड़कियों की हो तो इनकी सही देखभाल न केवल उनके जीवनकाल को बढ़ाती है, बल्कि घर की सुंदरता को भी बनाए रखती है। अक्सर घरों में दरवाजों और खिड़कियों में दरारें आ जाती हैं, जिससे वे कमजोर होकर टूट सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन दरारों को आसानी से ठीक कर सकते हैं।

लकड़ी की दरारें ऐसे करें ठीक

लकड़ी के दरवाजे-खिड़कियों पर दरारें अक्सर मौसम के बदलाव या नमी के कारण आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले दरार के अंदर सफाई करें। इसके बाद दरार में लकड़ी वाली गोंद डालें और उसे सूखने दें। सूखने के बाद दरार को रेगमाल से चिकना करें और फिर उसी रंग के पेंट से रंगें। इससे खिड़की और दरवाजे पहले जैसा दिखने लगेंगे। इससे न केवल दरारें ठीक होंगी, बल्कि दरवाजे या खिड़की भी सुंदर लगेंगे।

धातु की दरारें ठीक करने का तरीका

धातु की दरारें आमतौर पर दरवाजों के हैंडल या हिंग पर आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से पर जंग हटाने वाला पेस्ट लगाना चाहिए। इसके बाद उसे अच्छे से रगड़ें, ताकि सफाई भी हो जाए। अब दरार वाले हिस्से पर जंगरोधी स्प्रे लगाएं, ताकि जंग न बढ़े। अंत में उस हिस्से पर नया पेंट लगाएं या उसे चमका लें, ताकि वह पहले जैसा दिखे और जंग लगने की संभावना कम हो जाए।

कांच की दरारें कैसे ठीक होंगी ?

आमतौर पर खिड़कियों के कांच पर दरारें आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से को साफ करना चाहिए। इसके बाद दरार पर खास कांच की मरम्मत करने वाला पेस्ट लगाएं और उसे अच्छे से फैला लें। कुछ घंटों तक इसे सूख जाने दें। सूखने के बाद दरार पर नया चमकाने वाला स्प्रे लगाएं, ताकि वह पहले जैसा दिखे और मजबूत बना रहे। इससे न केवल दरारें ठीक होंगी, बल्कि खिड़की साफ भी दिखने लगेगी।

प्लास्टिक की दरारें कैसे ठीक करें ?

प्लास्टिक की दरारें ठीक करना भी आसान काम होता है। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से को साफ कर लें। इसके बाद दरार पर खास प्लास्टिक की मरम्मत करने वाला पेस्ट लगाएं और उसे अच्छे से फैलाएं। कुछ घंटों तक इसे सूखने दें। सूखने के बाद दरार पर नया पेंट या सीलेंट लगाएं, ताकि वह पहले जैसा दिखे और मजबूत बना रहे। इन सरल तरीकों से आप अपने घर की देखभाल कर सकते हैं।

भारत में पीली के साथ-साथ मिलती है नीली हल्दी, जानिए इस दुर्लभ मसाले के फायदे

नीली हल्दी एक दुर्लभ मसाला है, जो भारत में हाल ही में लोकप्रिय हुआ है। यह न केवल खाने का रंग बदलता है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। नीली हल्दी को इसका नीला रंग इसके प्रकंदों में मौजूद प्राकृतिक वर्णक पदार्थों से मिलता है। यह खास तौर से उत्तर-पूर्वी भारत में उगाई जाती है और इसे आप बिना चिंता के खान-पान में शामिल कर सकते हैं। आइए इस दुर्लभ मसाले के मुख्य लाभों पर नजर डालते हैं।

सूजन को कम करने में है कारगर

नीली हल्दी में एक खास तत्व पाया जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। यह तत्व जोड़ों के दर्द, हड्डियों की समस्याओं और अन्य सूजन संबंधी बीमारियों के इलाज में भी सहायक हो सकता है। इसके अलावा इस खास हल्दी का सेवन चोट या संक्रमण के कारण होने वाली सूजन को भी कम कर सकता है। नियमित रूप से इसका उपयोग करने से शरीर की सूजन कम होती है और दर्द में भी राहत मिलती है।

त्वचा के लिए है लाभकारी

नीली हल्दी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद गुण त्वचा को साफ-सुथरा और चमकदार बनाते हैं। यह मुंहासे, दाग-धब्बे और झुर्रियों को कम करने में सहायता कर सकती है। इसके अलावा यह त्वचा की नमी बनाए रखती है और उसे मुलायम बनाती है। नियमित रूप से नीली हल्दी का उपयोग करने से त्वचा की रंगत भी सुधरती है और त्वचा की देखभाल करना भी आसान हो जाता है। इसे चेहरे पर पैक के रूप में लगाएं।

पाचन तंत्र को सुधारने में है मददगार

नीली हल्दी पाचन तंत्र को सुधारने में भी सहायक होती है। इसमें मौजूद गुण पेट की समस्याओं को दूर करते हैं और पाचन क्रिया को सुधारते हैं। यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करती है। इसके अलावा नीली हल्दी का सेवन करने से पेट की सफाई होती है और उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। इसे चाय या दूध में मिलाकर पीना फायदेमंद हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में है सहायक

नीली हल्दी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मददगार साबित होती है। इसमें मौजूद तत्व शरीर को संक्रमण से लड़ने में सक्षम बनाते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से आप सर्दी-खांसी और बुखार आदि जैसी सामान्य समस्याओं से बच सकते हैं। यह मसाला आपके शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आपको बीमारियों से दूर रखता है।

कैंसर का जोखिम कम करने में है सहायक

नीली हल्दी कैंसर के खतरे को कम करने में भी मदद कर सकती है। इसमें मौजूद गुण शरीर में हानिकारक तत्वों को खत्म करते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा यह कोशिकाओं की मरम्मत करती है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखती है। नीली हल्दी का सेवन करने से कैंसर कोशिकाओं का विकास भी रुकता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इसे नियमित रूप से अपने खाने में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

भारत को बड़ा झटका: बांग्लादेश ने कपास खरीद के लिए अमेरिका से मिलाया हाथ, गोपनीय तरीके से हुआ समझौता

ढाका (ए)। बांग्लादेश में आज यानी गुरुवार को हो रहे आम चुनावों के बीच एक बड़ी खबर ने कूटनीतिक और व्यापारिक गलियारों में हलचल मचा दी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने भारत को एक बड़ा आर्थिक झटका देते हुए कपड़ा उद्योग के लिए कपास (Cotton) की खरीद अब भारत के बजाय अमेरिका से करने का फैसला किया है। चुनाव से ठीक तीन दिन पहले, 9 फरवरी को यूनुस सरकार ने अमेरिका के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया है, जिसके तहत बांग्लादेश अब अमेरिकी कपास का प्रमुख खरीदार बनेगा।

गोपनीय तरीके से हुआ समझौता, 'गेम चेंजर' का दावा

मोहम्मद यूनुस की सरकार ने इस समझौते को बेहद गोपनीय रखा और इसका ड्राफ्ट किसी के साथ साझा नहीं किया गया, जिससे इसकी पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने एक इंटरव्यू में इस समझौते को बांग्लादेशी अर्थव्यवस्था के लिए 'गेम चेंजर' करार दिया है। समझौते के तहत अमेरिका ने बांग्लादेशी कपड़ों पर लगने वाले टैरिफ में एक प्रतिशत की कटौती कर उसे 19त्न कर दिया है। यह दर अब कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे प्रतिस्पर्धी देशों के बराबर हो गई है। सबसे अहम शर्त यह है कि यदि बांग्लादेश अपने कपड़े अमेरिकी कपास या मानव निर्मित फाइबर से बनाता है, तो उस पर अमेरिका में कोई टैरिफ नहीं लगेगा यानी वह 'जीरो ड्यूटी' पर सामान बेच सकेगा।

शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से बिगड़े रिश्ते

इस फैसले को भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते तनाव का नतीजा माना जा रहा है। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना के तख्तापलट और भारत द्वारा उन्हें शरण दिए जाने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। 2024 में भारत ने बांग्लादेश को 1.6 अरब डॉलर का कपास धागा बेचा था, लेकिन रिश्तों में आई कड़वाहट के बाद व्यापार प्रभावित हुआ। तनाव इतना बढ़ा कि 13 अप्रैल 2025 को बांग्लादेश ने जमीनी रास्ते से भारतीय कपास के आयात पर रोक लगा दी थी। इसके जवाब में भारत ने भी 16 मई 2025 से बांग्लादेशी रेडीमेड गारमेंट्स की जमीनी रास्ते से एंट्री बंद कर दी थी। अब अमेरिका के साथ हुई इस डील ने भारत के लिए एक बड़े बाजार के दरवाजे लगभग बंद कर दिए हैं।

दूरी और गुणवत्ता बनी बड़ी चुनौती

भले ही यूनुस सरकार इसे एक बड़ी उपलब्धि मान रही हो, लेकिन अर्थशास्त्रियों ने इस राह में बड़ी चुनौतियां भी गिनाई हैं। ब्रैक यूनिवर्सिटी के प्रमुख अर्थशास्त्री प्रोफेसर सलीम जहान ने चेतावनी दी है कि अमेरिका बांग्लादेश से भौगोलिक रूप से काफी दूर है, जिसके चलते वहां से कपास मंगवाने में शिपिंग चार्ज (माल ढुलाई भाड़ा) बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। इससे टैरिफ में मिली छूट का फायदा खत्म हो सकता है। इसके अलावा, गुणवत्ता भी एक बड़ा सवाल है। टेक्सटाइल सेक्टर में कपास की क्वालिटी सबसे अहम होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय और मिस्र की कपास की गुणवत्ता बेहतरीन मानी जाती है। यदि अमेरिकी कपास उस स्टैंडर्ड पर खरी नहीं उतरी, तो अमेरिकी खरीदार ही बांग्लादेश के बनाए कपड़े रिजेक्ट कर सकते हैं।

बांग्लादेश चुनाव में भारी हिंसा, दो जगहों पर बमबारी; झड़प में BNP नेता की मौत

ढाका (ए.)। बांग्लादेश में आम चुनावों के लिए चल रही वोटिंग के बीच भारी हिंसा और अराजकता की खबरें सामने आ रही हैं। लोकतंत्र के इस पर्व पर हिंसा का ग्रहण लग गया है। देश के अलग-अलग हिस्सों से दो मतदान केंद्रों पर देसी बम फटने की पुष्टि हुई है, जिससे मतदाताओं में दहशत का माहौल है। वहीं, खुलना में दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प के दौरान विपक्षी दल बीएनपी के एक नेता की मौत हो गई है। सबसे दुखद घटना खुलना सदर से सामने आई है। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां के आलिया मदरसा पोलिंग बूथ पर गुरुवार सुबह वोट मांगने को लेकर दो पक्षों में तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते यह बहस हाथापाई में बदल गई। इस दौरान खुलना मेट्रोपॉलिटन बीएनपी के पूर्व कार्यालय सचिव और नेता मोहिबुज्जमां कोच्चि की मौत हो गई। स्थानीय बीएनपी नेताओं ने आरोप लगाया है कि विरोधी पक्ष द्वारा धक्का दिए जाने के बाद कोच्चि की तबीयत बिगड़ गई थी। केएमपी कमिश्नर मोहम्मद जाहिदुल हसन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि झड़प के बाद नेता बीमार पड़ गए थे, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हिंसा की दूसरी बड़ी घटना गोपालगंज में हुई। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, यहाँ के निचूपारा इलाके में स्थित रेशमा इंटरनेशनल स्कूल मतदान केंद्र पर सुबह करीब 9 बजे एक देसी बम विस्फोट हुआ। इस धमाके में सुरक्षा में तैनात अंसार के दो जवान, सुकांतो मजूमदार और जमाल मोल्ला घायल हो गए। साथ ही एक 13 साल की बच्ची अमेना खानम भी इसकी चपेट में आ गई।

'इमरान खान की दाहिनी आंख में रोशनी सिर्फ 15 फीसदी बची,' वकील ने कोर्ट को बताया

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों की रोशनी कम हो रही है। उनकी दाहिनी आंख में सिर्फ 15 फीसदी रोशनी बची है, और ऐसा उनसे मिलकर लौटे वकील ने अदालत को बताया। इसके बाद गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने खान की जांच के लिए एक मेडिकल टीम बनाने का आदेश दिया है।पिछले दिनों इमरान खान के साथ कोर्ट के आदेश पर हुई मुलाकात के बाद वकील सलमान सफदर ने सात पेज की एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की है। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री की सेहत और जेल के हालात को लेकर नई चिंताएं जताई गई हैं। इसमें दावा किया गया है कि उनकी दाहिनी आंख में सिर्फ 15 फीसदी रोशनी बची है।रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2025 तक खान की आंखों की रोशनी 6/6 थी, जिसके बाद उन्हें अपनी दाहिनी आंख में धुंधलापन महसूस होने लगा। कहा जाता है कि उन्होंने अदियाला जेल के निरीक्षक से बार-बार शिकायत की, लेकिन तीन महीने तक कोई इलाज नहीं दिया गया।रिपोर्ट में कहा गया है कि बाद में पीआईएमएस हॉस्पिटल के आंखों के डॉक्टर डॉ. आरिफ ने उनकी जांच की। हालांकि, मेडिकल मदद के बावजूद, आंख में खून के थक्के जमने की वजह से काफी नुकसान हो चुका था, जिससे उनकी आंखों की रोशनी कम हो गई थी।सफदर ने बताया कि हाल ही में हुई मीटिंग के दौरान खान की आंख से पानी आ रहा था। रिपोर्ट में उनके निजी चिकित्सक, डॉ. फैसल सुल्तान और डॉ. आसिम यूसुफ से तुरंत जांच कराने की बात कही गई है, हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि कोई भी क्वालिफाइड नेत्र विशेषज्ञ, जो उन्हें मंजूर हो, जांच कर सकता है।

कनाडा के स्कूल में फायरिंग पर खुलासा, मां-भाई की हत्या के बाद ट्रांसजेंडर महिला ने स्कूल में बरसाई गोलियां

टोरंटो (ए.)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज में एक बेहद दुखद और सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां 18 वर्षीय ट्रांसजेंडर महिला ने कथित रूप से अपनी मां और 11 वर्षीय सौतेले भाई समेत कुल नौ लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली।समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, पुलिस कमांडर ड्वेन मैकडॉनल्ड ने बताया कि आरोपी जेसी वैन रूट्सलार एक ट्रांसजेंडर महिला थी। उसने चार वर्ष पहले हाई स्कूल के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। उसके पास पहले आग्नेयास्त्र का लाइसेंस था, जिसकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार, उसके घर से पहले भी हथियार जब्त किए गए थे, जिन्हें बाद में लौटा दिया गया था। रूट्सलार की मानसिक स्थिति को लेकर पहले से चिंताएं थीं। प्रांतीय मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम के तहत उसका एक से अधिक बार मूल्यांकन किया गया था। मैकडॉनल्ड ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पुलिस कई बार परिवार के घर गई थी, ताकि संदिग्ध के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मामलों को संभाला जा सके। जानकारी के मुताबिक, अपनी मां और सौतेले भाई की हत्या करने के बाद आरोपी उस स्कूल पहुंची, जहां वह चार साल पहले पढ़ती थी।

अमेरिका में जाह्नवी की मौत पर ऐतिहासिक समझौता, पुलिस की गाड़ी से हुई थी टक्कर; अब परिवार को मिलेंगे 262 करोड़ रुपये

सिएटल (ए.)। अमेरिका में पुलिस की गाड़ी की चपेट में आकर जान गंवाने वाली भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला के मामले में एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला आया है। सिएटल शहर प्रशासन ने जाह्नवी के परिवार को मुआवजे के तौर पर 29 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 262 करोड़ रुपये) देने पर सहमति जताई है। आंध्र प्रदेश के कुरनूल की रहने वाली 23 वर्षीय जाह्नवी की जनवरी 2023 में सिएटल में एक पुलिस गश्ती कार से टक्कर लगने के बाद मौत हो गई थी। इस समझौते के साथ ही पीड़ित परिवार और अमेरिकी प्रशासन के बीच लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई अब समाप्त हो गई है। यह सिएटल के इतिहास में पुलिस की लापरवाही से जुड़े मामलों में अब तक के सबसे बड़े समझौतों में से एक माना जा रहा है।

119 की रफ्तार से आई थी मौत

जाह्नवी कंडुला अपनी ग्रेजुएशन पूरी करने के बाद नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के सिएटल कैंपस से सूचना प्रणाली में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं। घटना 23 जनवरी, 2023 की शाम की है, जब वह डेक्सटर एवेन्यू नॉर्थ पर एक जेब्रा क्रॉसिंग (मार्क किए हुए क्रॉसवॉक) पर चल रही थीं। तभी सिएटल पुलिस विभाग के अधिकारी केविन डेव ने उन्हें अपनी गश्ती गाड़ी से जोरदार टक्कर मार दी। जांच में सामने आया कि पुलिस अधिकारी को ड्रग्स ओवरडोज की एक इमरजेंसी कॉल मिली थी, जिसके बाद वह 40 किमी/घंटे की स्पीड लिमिट वाले क्षेत्र में करीब 119 किमी/घंटा की जानलेवा रफ्तार से गाड़ी दौड़ा रहा था। इसी दौरान जाह्नवी कार की चपेट में आ गईं और उनकी दुखद मृत्यु हो गई। इस हादसे के बाद एक बेहद शर्मनाक पहलू तब सामने आया जब घटनास्थल पर मौजूद एक अन्य पुलिस अधिकारी का बॉडी-कैमरा फुटेज वायरल हुआ। फुटेज में वह अधिकारी जाह्नवी की मौत पर असंवेदनशील टिप्पणियां करते हुए और हंसते हुए कैद हुआ था। वीडियो में उसे यह कहते हुए सुना गया कि जाह्नवी के जीवन का "मूल्य सीमित" था और प्रशासन को बस "एक चेक लिख देना चाहिए।" इस वीडियो ने न केवल अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय बल्कि पूरी दुनिया में लोगों को झकझोर कर रख दिया था और इसके बाद भारी विरोध प्रदर्शन हुए थे।

खेल समाचार

टी-20 विश्व कप 2026: दासुन शनाका ने श्रीलंका के लिए जड़ा सबसे तेज टी-20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक

नईदिल्ली,(आरएनएस)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के कप्तान दासुन शनाका ने टी-20 विश्व कप 2026 के 16वें मुकाबले में ओमान क्रिकेट टीम के खिलाफ धमाकेदार अर्धशतकीय पारी (50) खेली। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 7वां और टी-20 विश्व कप में पहला ही अर्धशतक रहा। शनाका ने सिर्फ 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह श्रीलंका के लिए इस प्रारूप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा।

शनाका ने सिर्फ 20 गेंदों का सामना किया और बेहतरीन 50 रन बनाकर आउट हुए। उनके बल्ले से 2 चौके और 5 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 250 की रही। उन्होंने कुसल मेंडिस के साथ मिलकर 28 गेंदों में 63 रन जोड़े। शनाका की शानदार पारी के दम पर ही श्रीलंका ने 225/5 का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। शनाका के अलावा मेंडिस (61) और पवन रत्नायके (60) ने भी अर्धशतक जड़े।

शनाका अब टी-20 विश्व कप में श्रीलंका के लिए सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज महेला जयवर्धने का रिकॉर्ड तोड़ा है। महेला ने साल 2007 के टी-20 विश्व कप में केन्या क्रिकेट टीम के खिलाफ सिर्फ 21 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। श्रीलंका के लिए इससे पहले शनाका ने ही सिर्फ 20 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था। उन्होंने ये पारी भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ साल 2023 में खेली थी।

शनाका ने अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2015 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 126 मुकाबले खेले हैं और इसकी 114 पारियों में 19.96 की औसत और 126.37 की स्ट्राइक रेट से 1,797 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 7 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 74 रन रहा है। इस खिलाड़ी ने 24.76 की औसत के साथ 43 विकेट भी चटकाए हैं।

टी-20 विश्व कप 2026: एडम जैम्पा और नाथन एलिस ने आयरलैंड के खिलाफ लिए 4-4 विकेट

नईदिल्ली,(आरएनएस)। टी-20 विश्व कप 2026 में 14वें मैच में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने आयरलैंड क्रिकेट टीम को 67 रन से करारी शिकस्त दी। आर प्रेमदासा स्टेडियम में हुए मुकाबले में जीत के लिए मिले 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरिश टीम 115 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की जोरदार जीत में एडम जैम्पा और नाथन एलिस की अहम भूमिका रही। इन दोनों गेंदबाजों ने मिलकर 4-4 विकेट लिए।

जैम्पा ने लोरकन टकर (24) को आउट करते हुए अपने विकेटों का खाता खोला। उन्होंने अपने अनुभव का भरपूर फायदा उठाते हुए आयरिश बल्लेबाजों से कठिन सवाल पूछे। इस दिग्गज लेग स्पिनर ने आयरलैंड के बल्लेबाजी क्रम से गैरेथ डेलानी (11), जॉर्ज डॉकरेल (41) और मार्क अडायर (12) को अपनी फिरकी के जाल में फंसाया। उन्होंने 4 ओवर के कोटे में 5.80 की इकॉनमी रेट के साथ 23 रन दिए।

जैम्पा ने टी-20 विश्व कप में 22 मैचों में 12.90 की औसत से 40 विकेट लिए हैं। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 19 रन देते हुए 5 विकेट लेना रहा है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में विकेटों के मामले में श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा और अफगानिस्तान के राशिद खान की बराबरी की है। बता दें कि बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (50) टी-20 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

एलिस ने अपने 3.5 ओवर में 12 रन देते हुए 4 सफलताएं हासिल की। उन्होंने रॉस अडायर (12), कर्टिस कैम्फर (4), बैरी मैकार्थी (2) और बेंजामिन कैलिट्ज़ (2) के विकेट लिए। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन बन गया। उन्होंने नई गेंद के साथ-साथ पुरानी गेंद से डेथ ओवर्स के दौरान भी उम्दा गेंदबाजी की। उन्हें इस मुकाबले के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एएफसी अंडर-17 एशियन कप

भारत ग्रुप डी में ऑस्ट्रेलिया, उत्तर कोरिया और उज्बेकिस्तान के साथ

नई दिल्ली, (ए.)। एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 के लिए गुरुवार को मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित एएफसी हाउस में आयोजित ड्रॉ में भारत को ग्रुप डी में रखा गया है।भारतीय टीम इस ग्रुप में उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और उत्तर कोरिया जैसी मजबूत टीमों से भिड़ेगी।टूर्नामेंट का 21वां संस्करण 5 मई से 24 मई 2026 तक सऊदी अरब में खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है।भारत ने नवंबर 2025 में खेले गए क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप डी में ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन और चीनी ताइपे को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। यह 10वीं बार है जब भारत अंडर-17 एशियन कप के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा है।

ग्रुप इस प्रकार हैं:

ग्रुप ए: सऊदी अरब, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, म्यांमार
ग्रुप बी: जापान, इंडोनेशिया, चीन, कतर
ग्रुप सी: दक्षिण कोरिया, यमन, वियतनाम, यूएई
ग्रुप डी: उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, भारत, उत्तर कोरिया।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टरफाइनल में पहुंचेंगी और साथ ही फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप कतर 2026 के लिए भी क्वालीफाई करेंगी।

भारत का कार्यक्रम

ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत
भारत बनाम उज्बेकिस्तान
भारत बनाम उत्तर कोरिया

भारतीय टीम के सामने चुनौती कड़ी होगी, लेकिन क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन के बाद टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतरेगी।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स का गुलमर्ग चरण 23 से 26 फरवरी तक : मांडविया

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को घोषणा की है कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) 2026 का गुलमर्ग चरण 23 से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। यह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का छठा संस्करण है।इससे पहले केआईडब्ल्यूजी 2026 का पहला चरण 20 से 26 जनवरी तक लद्दाख के लेह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था, जिसमें आइस स्पोर्ट्स की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। अब गुलमर्ग में स्नो स्पोर्ट्स की स्पर्धाएं होंगी। भारतीय सेना यहां अपने ओवरऑल चैंपियनशिप खिताब का बचाव करेगी। मांडविया ने कहा, गुलमर्ग चरण विंटर ओलंपिक के तुरंत बाद हो रहा है, यह खेलो इंडिया विंटर गेम्स आयोजित करने का बिल्कुल सही समय है। लेह में पहला चरण बेहद सफल रहा और हमें उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर में भी वही उत्साह देखने को मिलेगा, जहां खिलाड़ी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करेंगे। उन्होंने आगे कहा, हर सीजन में प्रतिस्पर्धा का स्तर बढ़ा है। लेह में फिगर स्केटिंग को शामिल करने से मुकाबला और रोमांचक हुआ। गुलमर्ग के कोंगडूरी ढलानों पर भी बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। खेलो इंडिया विंटर गेम्स ने देश में शीतकालीन खेलों को नई पहचान दी है।

हैरी ब्रूक ने अपने 4,000 टी-20 रन पूरे किए, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली (आरएनएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टी-20 विश्व कप 2026 में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच के दौरान अहम उपलब्धि हासिल की। दरअसल, उन्होंने अपने टी-20 क्रिकेट करियर के 4,000 रन पूरे किए। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में 17 रन बनाकर आउट हुए और उनकी टीम को मुकाबले में शिकस्त भी झेलनी पड़ी। आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। ब्रूक ने अपने टी-20 क्रिकेट करियर में 4,000 रन पूरे किए। क्रिकइंफो के अनुसार, ब्रूक ने 171 मैचों की 158 पारियों में लगभग 34 की औसत से 4,000 रन पूरे किए हैं। इस प्रारूप में 3 शतकों के अलावा, उनके नाम 17 अर्धशतक भी हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) समेत कई टी-20 लीग में खेल चुके हैं।

अंपायर के फैसले का विरोध करने पर आईसीसी ने मोहम्मद नबी पर लगाया जुर्माना

नईदिल्ली (आरएनएस)। अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी पर अंपायर के फैसले का विरोध करने के चलते मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को खेले गए मुकाबले के दौरान हुई घटना के बाद की गई। यह घटना अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर में हुई, जब नबी ने दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के कलाई बैंड (व्रिस्ट बैंड) को लेकर अंपायरों से लंबी बहस की। अंपायर के फैसले पर आपत्ति जताने के कारण उन्होंने आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन किया।आईसीसी ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि नबी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और अमीरात आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया है।

इसके चलते औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। पिछले 24 महीनों में यह उनका पहला अपराध था, इसलिए उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और निर्धारित ओवरों में मैच टाई हो गया। इसके बाद विजेता का फैसला करने के लिए दो सुपर ओवर खेले गए, जिसमें अंततः दक्षिण अफ्रीका ने जीत हासिल कर दो अंक अपने नाम किए।

टी-20 विश्व कप 2026: आदिल राशिद इंग्लैंड की ओर से 400 टी-20 वाले दूसरे गेंदबाज बने

नईदिल्ली, (ए.)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के स्पिनर आदिल राशिद ने टी-20 क्रिकेट में 400 विकेट पूरे किए। 37 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी-20 विश्व कप 2026 के 15वें मैच में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला विकेट लेते ही यह मुकाम हासिल किया। वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज उनका 400वां शिकार बने। वह इंग्लैंड की ओर से इस आंकड़े को छूने वाले सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने।

राशिद अब क्रिस जॉर्डन के साथ शामिल हो गए। बता दें कि जॉर्डन ने 431 टी-20 मैचों में 27.26 की औसत से 446 विकेट लिए हैं। राशिद ने अपने 358वें मैच (342 पारी) में 400 विकेट का आंकड़ा छूआ। टी-20 क्रिकेट में राशिद 400 विकेट लेने वाले विश्व के 13वें गेंदबाज बने। बता दे कि टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के राशिद खान (699) ने लिए हैं।

राशिद ने अपने 4 ओवर के कोटे में किफायती गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 16 रन दिए। इस बीच उन्होंने 2 विकेट भी लिए।

खनन प्रभावित समुदायों के हितों की रक्षा को प्रतिबद्ध सांसद माया नारोलिया केंद्र से की व्यापक सुधारों की मांग

खनन प्रभावित क्षेत्रों का विकास और युवाओं को रोजगार हमारी प्राथमिकता राज्यसभा में सांसद माया नारोलिया ने उठाई आवाज

नर्मदापुरम /नई दिल्ली। (निप्र)। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने प्रदेश के खनन प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं और उनके विकास का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश कोयलाए हीराए चूना पत्थर और बॉक्साइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध हैए लेकिन इन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों को अब भी कई बुनियादी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। फंड के पारदर्शी उपयोग पर जोर डालते हुए सांसद नारोलिया ने जिला खनिज प्रतिष्ठान के तहत मिलने वाली राशि के असमान वितरण पर चिंता जताई। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि निधियों का उपयोग पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से होना चाहिएए ताकि खनन प्रभावित परिवारों को कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने स्थानीय समुदायों को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करने की भी वकालत की।

कौशल विकास और रोजगार की मांग को दृष्टिगत रख कर युवाओं के भविष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए श्रीमती नारोलिया ने कहा केवल खनन काफी नहीं हैए बल्कि प्रभावित क्षेत्रों में डाउनस्ट्रीम उद्योगों को बढ़ावा देना आवश्यक है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए स्थायी रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने इन क्षेत्रों में विशेष कौशल विकास केंद्र खोलने की आवश्यकता पर भी बल दिया। पर्यावरण और समावेशी विकास को केंद्र में रखकर सांसद ने पर्यावरण संरक्षण को अनिवार्य बताते हुए कहा कि खनिज संसाधनों का दोहन इस प्रकार हो कि प्रकृति को नुकसान न पहुँचे। उन्होंने प्रभावी निगरानी तंत्र और समावेशी विकास की मांग करते हुए कहा कि जब तक क्षेत्रीय संतुलन नहीं बनेगाए तब तक संसाधनों की सार्थकता अधूरी है।

महाशिवरात्रि पावन पर्व 15 फरवरी शाम 05 बजे द्वादश ज्योतिर्लिंग सामूहिक रुद्राभिषेक

नर्मदापुरम (निप्र)। महाशिवरात्रि के दिन किया गया रुद्राभिषेक अत्यंत फलदायी होता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान शिव की उपासना करने से मन की अशांति दूर होती है और व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। रुद्राभिषेक के माध्यम से भक्त अपने दुख, कष्ट और नकारात्मक भावों को भगवान शिव को अर्पित करता है। उक्तशय में आचार्य अविनाश मिश्रा ने बताया कि भगवान सदाशिव की कृपादृष्टि देश और भक्तों पर बनी रहे इस भाव से 15 फरवरी रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विवेकानंद घाट पर पार्थवेश्वर द्वादश ज्योतिर्लिंग रुद्राभिषेक का आयोजन शाम 05 बजे सामूहिक रूप से किया जा रहा है समस्त श्रद्धालु जन पधार कर पुण्य कार्य में सहभागी बनें।

आचार्य श्री ने रुद्राभिषेक का महत्व प्रतिपादित करते हुए बताया कि रुतम्.दुरूखम् द्रावयति.नाशयतीतिरुद्र यानी कि भोले सभी दुरूखों को नष्ट कर देते हैं। हमारे द्वारा किए गए पाप ही हमारे दुरूखों के कारण हैं। रुद्रार्चन और रुद्राभिषेक से हमारी कुंडली से पातक कर्म एवं महापातक भी जलकर भस्म हो जाते हैं और साधक में शिवत्व का उदय होता है।

रुद्रहृदयोपनिषद में शिव के बारे में कहा गया है कि सर्वदेवात्मको रुद्ररू सर्वे देवारू शिवात्मका अर्थात सभी देवताओं की आत्मा में रुद्र उपस्थित हैं और सभी देवता रुद्र की आत्मा हैं। रुद्राभिषेक का फल बहुत ही शीघ्र प्राप्त होता है। कालसर्प योग, गृहक्लेश, व्यापार में नुकसान, शिक्षा में रुकावट सभी कार्यों की बाधाओं को दूर करने के लिए रुद्राभिषेक आपके अभीष्ट सिद्धि के लिए फलदायक है।

जनसुनवाई में हो रहा समस्याओं का समाधान

नर्मदापुरम (निप्र)। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में नपा में जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। प्रति गुरूवार को होने वाली जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।आज कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी द्वारा नगरपालिका में जनसुनवाई की गई। जिसमें पीएम आवास योजना, नाली निर्माण, राशन कार्ड समर्पण, पेयजल संबंधी समस्याओं के आवेदनों का तत्काल प्रभाव से समाधान किया गया। श्री सोनी ने बताया कि जनसुनवाई में छोटी छोटी समस्याएं आई थी उनका समाधान किया गया है।

नपा के अतिक्रमण दल द्वारा अतिक्रमण पर जबर्दस्त कार्रवाई

सतरस्ते ठेले हटाए कोरीघाट जब्त किया टप

नर्मदापुरम। नगरपालिका के अतिक्रमण दल द्वारा गुरूवार को नगर के चिह्नित स्थानों पर यातायात सुगम बनाने के लिए जबर्दस्त कार्रवाई की गई है। जिसमें प्रमुख रूप से सतरस्ताए होमसाइंस कालेज से लेकर नेहरू पार्क तक सड़क पर किए गए अतिक्रमण और ठेलों को हटाया गया। कोरीघाट से टप को जब्त किया गया है। अतिक्रमण दल सहप्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में अतिक्रमण पर कार्रवाई की जा रही है। गुरूवार को सतरस्ते से ठेलों को हटाकर उन्हें निर्धारित स्थानों पर पहुंचाया गया। कोरीघाट पर अवैध रूप से रखे टाप को जब्त किया गया है। इसके साथ ही होमसाइंस कालेज से लेकर नेहरू पार्क तक मटकों की दुकान लगाने वालों को हटाया गया हैए उन्हें व्यवस्थित किया गया है। सुनील राजपूत ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई कि अब दोबारा सड़क जाम की तो सामग्री जब्ती और जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान राजस्व शाखा की टीम में दाताराम सगरए हरिश गोस्वामीए नीतेश गौरए अनिल बघेल आदि उपस्थित थे।

जुझारपुर रेलवे गेट खोलने जेडआरयूसीसी मेंबर राजपूत ने डीआरएम से पत्राचार कर की चर्चा

नर्मदापुरम (निप्र)। भूत भावन भोलेनाथ भगवान के आराधना स्थल तिलक सिंदूर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आगामी 15, 16 एवं 17 फरवरी को लगने वाला तिलक सिंदूर मेला, समूचे नर्मदापुरम जिले में भक्तों की आस्था का केंद्र रहता है महाशिवरात्रि पर बाबा भोलेनाथ के भक्त बड़ी संख्या में यहां पहुंचकर आराधना उपासना करते हैं प्रसादी चढ़ाते हैं परंतु विगत दिनों रेलवे विभाग के अधिकारियों द्वारा जुझारपुर रेलवे गेट को आगामी 1 महीने के लिए पूर्णतया बंद कर आवागमन पर रोक लगा दी है। परिणिती स्वरूप धरमकुंडी एवं जामनी पहुंचने के लिए एक मात्र वैकल्पिक रोड रेलवे स्टेशन के सामने से होकर गुजरता है, जो अत्यंत खराब होने के साथ.साथ अत्यधिक ट्रैफिक भी रहता है, जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। तिलक सिंदूर मेले के दौरान श्रद्धालुओं को होने वाली सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए मेला समिति के सदस्यों की मांग पर क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य योगेंद्र सिंह राजपूत ने भोपाल रेल मंडल के डीआरएम पंकज त्यागी को पत्र लिखकर समस्या से अवगत कराया एवं फोन पर बात कर जन भावना एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जुझारपुर रेलवे गेट को आगामी तीन दिनों के लिए खोलने का अनुरोध किया एवं स्थानीय प्रशासन से भी इस संबंध में चर्चा की।

श्री राजपूत ने मेला समिति के सदस्यों को आस्वस्त किया कि तिलक सिंदूर मेला इस क्षेत्र के धर्मावलंबियों की आस्था का केंद्र है इस भव्य आयोजन में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की आवागमन संबंधी समस्या उत्पन्न नहीं होने दी जाएगी रेलवे प्रबंधन के साथ मिलकर हम समस्या का अवश्य ही समाधान निकालेंगे रेलवे प्रबंधन की ओर से जल्द ही इस समसामयिक विषय की गंभीरता को देखते हुए सकारात्मक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

14 से 16 फरवरी तक लगेगा प्रसिद्ध तिलक सिंदूर मेला

प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यापक व्यवस्थाएँ

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले का प्रसिद्ध तिलक सिंदूर मेला 14 फरवरी से 16 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार एवं एसडीएम इटारसी के मार्गदर्शन में मेला स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं।मेले के सफल एवं सुचारू संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत केसला को मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनज़र अनुविभागीय दंडाधिकारी इटारसी द्वारा लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है। साथ ही पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से गतिविधियों पर सतत नजर रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मेला परिसर में लगभग 200 पुलिस जवान तैनात रहेंगे।ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए निर्धारित लेआउट के अनुसार दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया वाहनों तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। मेला अवधि में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु एमपीईबी इटारसी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल की नियमित जांच करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए नगर पालिका परिषद एवं जनपद पंचायत द्वारा अग्निशामक यंत्र और फायर फाइटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए मेला परिसर में 20 शुष्क शौचालय स्थापित किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था भी की जा रही है।

मई 2026 से प्रारंभ होगी देश जनगणना प्रक्रिया देश की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी जनगणना 2027

दो चरणों में होगा पूरा जनगणना कार्यक्रम संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। 1 मई से देश में जनगणना का प्रथम चरण प्रारंभ हो जाएगा। 2027 जनगणना देश की प्रथम ऐसी जनगणना होगी जिसमें डिजिटल माध्यम से तथा मोबाइल एप्लीकेशन एवं आधुनिक तकनीक का उपयोग कर आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। जनगणना 2027 दो चरणों में संपादित की जाएगी जिसमें प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक आयोजित होगा तदुपरांत फरवरी 2027 में द्वितीय चरण संपादित किया जाएगा। जनगणना 2027 के तहत आंकड़ों के प्रभावी संकलन के लिए देश में प्रथम बार डिजिटल टूल्स का उपयोग कर जानकारी संकलित की जाएगी जिससे पूरी प्रक्रिया के तहत सटीक एवं व्यवस्थित डेटा संकलन को सुनिश्चित किया जाएगा। जिले में भी जनगणना 2027 के तहत कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी सुश्री सोनिया मीना के निर्देश अनुसार जनगणना कार्यक्रम में संलग्न होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारी के लिए प्रशिक्षण एवं अन्य तैयारियों को प्रारंभ कर दिया गया है। उक्त संबंध में 16 एवं 17 फरवरी को जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

विंध्यवासिनी हायर सेकेंडरी स्कूल मालाखेड़ी में कथकनृत्य, लोकनृत्य,गायन कार्यशाला का भव्य समापन

नर्मदापुरम (निप्र)। विंध्यवासिनी हायर सेकेंडरी स्कूल मालाखेड़ी नर्मदापुरम के विशेष सहयोग से तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के रैपेट्री अनुदान अंतर्गत कथकनृत्य, लोकनृत्य एवं गायन की कार्यशालशा 07 से 11 फरवरी तक आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन साथी जनशिक्षण एवं संस्कृति समिति नर्मदापुरम द्वारा किया जा गया। इसमें स्कूल के छात्र छात्राओं को शास्त्रीय नृत्य कथक के साथ साथ हस्त मुद्राएं, भाव भंगिमाएं व अभिव्यक्ति की विधिवत जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया गई। साथ ही लोकनृत्य एवं गायन के बारे में भी विस्तार से बताया एवं सिखाया गया। त्रिदेवाशीष नृत्य एवं नाट्य एकेडमी लखनऊ से आमंत्रित प्रशिक्षक तनुजा ओली सनवाल, नीलम जोशी एवं निकिता गोस्वामी द्वारा ये प्रशिक्षण दिया गया। विंध्यवासिनी हायर सेकेंडरी स्कूल, मालाखेड़ी, नर्मदापुरम के सहयोग से विद्यालय परिसर में की जाने वाली इस कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, शास्त्रीय नृत्य, लोकनृत्य एवं गायन व अभिनय में छात्र छात्राओं को प्रशिक्षित करना है। स्कूल की डायरेक्टर/प्राचार्य डॉ. मधुबाला वर्मा जी के विशेष सहयोग से ये कार्यशाला सभी छात्र छात्राओं के साथ बहुत ही अच्छे से सम्पन्न की गई। सभी आमंत्रित अथिति प्रशिक्षकों का शाल श्रीफल एवं नर्मदा जी का चित्र भेंट देकर सम्मान किया गया तथा साथी संस्था द्वारा स्कूल की डायरेक्टर/प्राचार्य डॉ. मधुबाला वर्मा जी का भी सम्मान किया गया। इसके उपरांत प्रतिभागी सभी छात्र छात्राओं एवं स्कूल के सभी शिक्षकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। संस्था द्वारा प्राचार्य एवं समस्त स्कूल स्टाफ का आभार व्यक्त किया गया।

द चैम्प्स फन स्कूल में पब्लिक स्पीकिंग कंपीटिशन का प्रथम चरण सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्राचार्य डॉ चटर्जी ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का महत्व समझाया

नर्मदापुरम (निप्र)। ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल में गुरूवार को पब्लिक स्पीकिंग कंपीटिशन का प्रथम चरण अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। संपूर्ण विद्यालय परिसर में आत्मविश्वास अभिव्यक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।प्रतियोगिता का आयोजन दो स्थलों पर किया गया। रामायण हॉल में कक्षा प्रथम से चतुर्थ तक के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं, वहीं आधारशिला पर प्ले ग्रुप से लेकर यूकेजी तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच संभाला। बच्चों ने जीवनी, सामाजिक जागरूकता, प्रेरणादायक विचार, सूक्तियाँ, जानकारीपूर्ण विषयों तथा विभिन्न नोट्स पर अपने विचार व्यक्त किए। उनकी वाणी की स्पष्टता, भाव-भंगिमा और विषय की समझ ने सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल से श्रीमती महिंदर कौर एवं श्रीमती अरुणा सराठे जज के रूप में उपस्थित रहीं। विद्यालय के प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी एवं निदेशक श्रीमती जूही चटर्जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनकी प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ चटर्जी ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि मंच पर बोलना केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। बच्चों को निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए और हर अवसर को सीखने के रूप में लेना चाहिए। श्रीमती कौर ने कहा कि जीवन सदैव एक सीखने की प्रक्रिया है। हमें निरंतर सीखते रहना चाहिए। यदि कभी हम मंच पर घबरा जाएँ या किसी प्रयास में असफल हों तो भी हमें हार नहीं माननी चाहिए। सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहना ही सफलता का मार्ग है। जीवन हमें हमारी गलतियों से भी सिखाता है और हमारी उपलब्धियों से भी इसलिए हर अनुभव हमारे लिए एक नई सीख लेकर आता है। उनके इन शब्दों ने बच्चों के मन में नया आत्मविश्वास भर दिया।निर्णायक श्रीमती सराठे ने बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें नियमित अभ्यास करने, स्पष्ट उच्चारण के साथ बोलने और निडर होकर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।संचालन में मनीषा तोमर, प्रिया निगम ऋचा सोनी एवं प्रियंका खत्री ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आधारशिला पर धन्यवाद ज्ञापन खुशी पटेल द्वारा प्रस्तुत किया गया, वहीं रामायण हॉल में धन्यवाद ज्ञापन प्रिया निगम द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों को कृतज्ञता स्वरूप स्मृति.चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया।प्रतियोगिता का अंतिम चरण कल 13 व 14 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण की सफलता ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समस्त विद्यालय परिवार में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया।

कमिश्नर पहुचे किसानों के बीच, टेल क्षेत्र में नहरों से होने वाली सिंचाई एवं नरवाई प्रबंधन का लिया फीडबैक

मूंग के विकल्प के रूप में अन्य फसल लगाने एवं नरवाई का उचित प्रबंधन करने के लिए किसानों को दी समझाइश

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी गुरुवार को सिवनी मालवा के ग्राम रतवाडा पहुंचे, नहर का पानी सिंचाई के लिए किसानों के खेतों तक पहुंच रहा है कि नहीं तथा किसान नरवाई का किस तरह प्रबंधन कर रहे हैं इसका फीडबैक लिया। कमिश्नर ने मौके पर ही सभी किसानों से मूंग फसल के संबंध में आवश्यक जानकारी ली और किसानों को समझाइश दी कि वह मूंग की फसल लगाने की बजाय मूंग के विकल्प के रूप में अन्य फसल को लगाने के लिए प्रेरित हो। ग्राम रतवाडा में कृषकों ने कमिश्नर को अवगत कराया की मूंग की फसल कम अवधि की है जो किसानों के लिए फायदेमंद है, वहीं अन्य फसल या उड़द की फसल का क्राफ्ट टाइम 60 से 70 दिनों का है इसलिए वे मूंग की फसल लगाते हैं। कमिश्नर ने किसानों को समझाइश दी कि मूंग की फसल लगाने से पहले किसान अपने खेतों को साफ करने एवं नरवाई को हटाने के लिए अत्यधिक मात्रा में सफाया का उपयोग करते हैं जो की जमीन के लिए हानिकारक है इससे जमीन के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इसे नहीं रोका गया तो आने वाले समय में जमीन अनु उपजाऊ हो जाएगी और मूंग की फसल में अत्यधिक कीटनाशकों का प्रयोग होने के कारण मूंग हानिकारक हो जाता है। किसानों ने कहा कि यदि उन्हें शासन से बेहतर विकल्प मिले और कम समय में लगने वाली फसल का विकल्प मिले तथा नहर से पर्याप्त मात्रा में सिंचाई के लिए पानी मिले तो वे सभी मूंग की बजाय दूसरी फसल लगाने के लिए तैयार हैं।

कमिश्नर ने तवा की मुख्य नहरों से खेतों की सिंचाई के लिए मिलने वाले पानी की स्थिति की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि बाकी जगह तो नहर से पानी मिल रहा है लेकिन टेल एरिया में अभी तक नहर से पानी नहीं पहुंच पाया है। नहर का फ्लो कम होने के कारण टेल तक पानी पहुंचने में अत्यधिक समय लगता है। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी किसानों की समस्या को गंभीरता पूर्वक सुनकर जल संसाधन विभाग के ईई श्री अंकित ऑफ एवं श्रीमती राजश्री कटारे को निर्देश दिए कि वह नहर को पूरे फ्लो से चलाएं। नहर का पानी टेल एरिया तक पहुंचे और सभी किसानों को वो चाहे वह नीचे वाले किसान हो चाहे टेल एरिया के किसान हो सभी को सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी मिले। कमिश्नर श्री तिवारी ने किसानों को समझाइश दी कि वह मूंग की बजाय कोई अन्य कम पानी वाली फसल लगाए ताकि इस अवधि में मिलने वाले समय से नहर की मरम्मत एवं साफ सफाई तथा रखरखाव का कार्य किया जा सके। कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान में नहर की मरम्मत एवं साफ सफाई के कार्य के लिए समय नहीं मिल पा रहा है क्योंकि मूंग की फसल मैं सिंचाई के लिए नहर से पानी छोड़ा जाता है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com